अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 226 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 10 अगस्त 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

बिहार की पाटिर्यां भी यूपी चुनाव में दो-दो हाथ करने को आतुर, नेता तौल रहे हैं अपनी ताकत

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार की पाटिर्यों ने यूपी विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर ली है। इसके लिए अपने संगठनों को सक्रिय कर दिया है। इसी के बहाने बिहार के नेता अपनी ताकत तौल रहे हैं। यूपी में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। बिहार की सत्ताधारी जनता दल-यू के साथ ही लालू की राष्ट्रीय जनता दल, लोक जनशक्ति पार्टी, मांझी की हिन्दुस्तान आवाम मोर्चा और मुकेश सहनी की वीआईपी अलग अलग जिलों में सम्मेलन कर रही है। जमुई से सांसद और एलजेपी नेता चिराग पासवान एक तरफ चाचा पशुपति पारस से पार्टी पर कब्जे की लड़ाई लड़ रहे हैं तो दूसरी तरफ यूपी में भी आशीर्वाद यात्रा निकालने की तैयारी कर चुके हैं। 15 अगस्त के बाद यूपी में उनकी यात्रा प्रस्तावित है। चिराग बिहार में भी आशीर्वाद यात्रा निकाल रहे हैं। यात्रा के दौरान चिराग पासवान सपा प्रमुख अखिलेश यादव से भी मुलाकात करेंगे। एलजेपी नेता के अनुसार वह चाहते हैं कि सपा के साथ उनकी पार्टी मिलकर चुनाव लड़े। उन्हें भरोसा है कि इससे सपा को दलितों का वोट मिल सकता है।

समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए पीएम मोदी ने यूएनएससी को दिए पांच मंत्र

कहा-अड़चनें पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समुद्री सुरक्षा और सहयोग बढ़ाने के विषय पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (ऊएण) की उच्?च स्?तरीय बैठक की अध्?यक्षता कर रहे हैं। बैठक को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज आतंकी घटना और समुद्री लुटेरों के लिए समंदर के रास्तों का इस्तेमाल हो रहा है, इसलिए हम इस विषय को सुरक्षा परिषद के पास लेकर आए हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि समुद्री विवाद का समाधान शांतिपूर्ण और अंतरराष्ट्रीय क़ानून के आधार पर होना चाहिए। हमें समंदर से उत्पनन प्राकृतिक आपदाओं से उत्पन चुनौतियां का मिलकर सामना करना चाहिए। इस विषय पर क्षेत्रिया सहयोग बढ़ाने पर भारत ने कई कदम उठाए हैं। समुद्री व्यापार को बढ़ाने के लिए समुद्री इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने की ज़रूरत है। पीएम मोदी ने कहा कि हमें समुद्री पर्यावरण और समुद्री संसाधनों को भी संजो कर रखना होगा। समुद्री व्यापार में कोई भी बाधा वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकती है। वैध समुद्री व्यापार से बाधाओं को दूर करने का आह्वान करते हुए कहा कि विवादों को शांतिपूर्वक और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार सुलझाया जाना चाहिए।बैठक की अध्यक्षता में पीएम मोदी ने सदस्यों के सामने पांच सिद्धांत भी रखे। पीएम ने पांचों सिद्धांतों के बारे में बताते हुए कहा कि पहला हमें वैध समुद्री व्यापार से बाधाओं को हटाने चाहिए। हम सभी की समृद्धि समुद्री व्यापार के सक्रिय फ्लो पर निर्भर है। इसमें आई अड़चनें पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती हो सकती हैं।

दूसरा सिद्धांतः समुद्री विवादका समाधान शांतिपूर्ण और अंतर्राष्ट्रीय कानून के आधार पर ही होना चाहिए। आपसी विश्वास और आत्मविश्वास के लिए यह अति आवश्यक है। इसी माध्यम से हम वैश्विक शान्ति और स्थिरता सुनिश्चित कर सकते हैं।

तीसरा सिद्धांतः हमें प्राकृतिक आपदाओं और नॉन स्टेट एक्टर द्वारा पैदा किए गए समुद्री खतरे का मिल कर सामना करना चाहिए। इस विषय पर क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए भारत ने कई कदम लिए हैं।

चौथा सिद्धांतः हमें समुद्री पर्यावरण और समुद्री संसाधन को संजो कर रखना होगा। जैसा कि हम जानते हैं, महासागरों की जलवायु पर सीधा असर होता है। इसलिए, हमें अपने समुद्री पर्यावरण को प्लास्टिक और तेल का रिसाव जैसे प्रदूषण से मुक्त रखना होगा।

पांचवां सिद्धांतः हमें जिम्मेदार समुद्री संपर्क को प्रोत्साहन देना चाहिए। ऐसे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास में देशों की फिस्कल स्थिरता और अवशोषण क्षमता को ध्यान में रखना होगा।

अंग्रेजों की तरह भाजपा भी करती है सामाजिक विघटन का प्रयास : अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। काकोरी शहीद स्मारक के आयोजन को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का ढोंग करार देते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की स्वतंत्रता संग्राम में कोई भूमिका नहीं थी। अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि भाजपा और उसके मूल संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्वतंत्रता आंदोलन में कोई सम्बंध नहीं था। काकोरी शहीद स्मारक का आयोजन भाजपा का ढोंग है। भाजपाइयों ने कभी शहादत नहीं दी, वो शहीदों का सम्मान करना क्या जानें। भाजपा सामाजिक सद्भाव के खिलाफ काम करती है।

पाण्डेय इंटरप्राइजेज
INDIAN GRAVY
Suhana®
TASTEMAKERS OF INDIA SINCE 1962
मटर पनीर मिक्स
MUTTER PANEER MIX
A true mix for North Indian delicacy with paneer and green peas.
COMPLETE SPICE MIX
JUST ADD Tomato, Peas & Paneer
EXPRESS COOK
प्रो0 नितेन्द्र पाण्डेय
मो. 99364645661
सदर, मोहाल, गोपीगंज, भदोही-221301

समीर जनरल स्टोर
निःशुल्क फ्री होम डिलेवरी
प्रो0 हरि मंगल सिंह
मो. 7905259043
पता- बधवा ताहिरपुर, त्रिवेणीपुरम्, झूंसी, प्रयागराज

केसरवानी एण्ड सन्स
नोट- हमारे यहाँ मोबिल, पाइप, पेन्ट, सेनेट्री, हार्डवेयर, दरवाजा टाइल्स, समर सेबुल पम्प, चारा मशीन, बाथरूम फिटिंग इत्यादि उचित मूल्य पर प्राप्त करें।
अनुपम - 8318174147 अनमोल- 6388773491
जी0टी0 रोड, हनुमानगंज, प्रयागराज

प्रकाश हॉस्पिटल
स्वास्थ सेवाओं के लिए 24 घंटे सेवा में तत्पर
निदेशक- डॉ. विजय बाबू यादव
(सदस्य जिला पंचायत)
Mob.: 8858487147
पता-भीरपुर करछना, प्रयागराज

पाण्डेय इंटरप्राइजेज
SANTOOR
The secret of younger looking skin
प्रो0 नितेन्द्र पाण्डेय
मो. 99364645661
सदर, मोहाल, गोपीगंज, भदोही-221301

जम्मू-कश्मीरः आतंकियों ने बीजेपी नेता और पत्नी को मारी गोली

उपराज्यपाल बोले- हमलावरों पर जल्द कसेगा शिकंजा

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में बड़ी आतंकी वारदात हुई है। शहर के लाल चौक पर आतंकियों ने बीजेपी नेता गुलाम रसूल दार और उनकी पतनि पर फायरिंग कर दी। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। जम्मू कश्मीर के बीजेपी नेता अल्ताफ ठाकुर ने गुलाम रसूल डार और उनकी पतनि की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि गुलाम रसूल डार कुलगाम के बीजेपी किसान मोर्चा के अध्यक्ष थे। बीजेपी के पदाधिकारी होने के अलावा गुलाम रसूल डार सरपंच भी थे। उन्हें पिछले दिनों ही हुए पंचायत चुनावों में चुना गया था। वह कुलगाम जिले के रेडवानी गांव के रहने वाले थे। बीते साल उन्होंने जिला विकास परिषद का चुनाव भी लड़ा था, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। दिनदहाड़े चौक पर बीजेपी नेता और उनकी पतनि की गोलियां मारकर हत्या किए जाने से सनसनी फैल गई है। हाल ही में 5 अगस्त की वह तारीख गुजरी है, जिस दिन जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 और 35ए हटाया गया था और राज्य का पुनर्गठन कर दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे। इस आतंकी वारदात को इससे भी जोड़कर देखा जा रहा है।

पुलिस ने इस हमले के पीछे आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का हाथ होने की आशंका जताई है। कुछ घंटे पहले ही पुंछ जिले से सुरक्षा बलों ने एक आतंकी ठिकाने से बड़े पैमाने पर हथियारों को बरामद किया था। इसके अलावा बीएसएफ ने किश्तवाड़ से दो आतंकियों को भी गिरफ्तार किया है। इन आतंकियों के पास से भी बड़े पैमाने पर हथियार पाए गए हैं। बीजेपी नेता की हत्या पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अपने ट्वीट किया, "सरपंच जीएच रसूल डार और उनकी पतनि जौहरा बानू पर आतंकवादी हमले की मैं कड़ी निंदा करता हूं।

नहीं संभले तो सब कुछ हो जाएगा तबाह, जलवायु परिवर्तन पर रिपोर्ट में दुनिया को मिली बड़ी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन का संकट तेजी से बढ़ता जा रहा है। अगर अब भी नहीं संभले तो सबकुछ तबाह हो जाएगा। न जीवन बचेगा, न आजीविका और न ही प्राकृतिक आवास। यह चेतावनी पर्यावरण विशेषज्ञों ने सोमवार को पूरी दुनिया के लिए जारी की। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन जारी है और कोई भी सुरक्षित नहीं है। आईपीसीसी की ताजा रिपोर्ट में भारत को भी अलर्ट किया गया है। कहा गया है कि हिंद महासागर, दूसरे महासागर की तुलना में तेजी से गर्म हो रहा है। इसके साथ ही, वैज्ञानिकों ने आगाह किया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण भारत को लू और बाढ़ के खतरों का सामना करना पड़ेगा। रिपोर्ट के अनुसार दो डिग्री तापमान बढ़ने पर भारत, चीन और रूस में गर्मी का प्रकोप बहुत बढ़ जाएगा।

GSTIN : 09AAFTM3349D1ZK PAN-AAFTM3349D
Reg. No.: 1/2014
मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट
Misqeen Sewa Sansthan Trust
(इण्डियन ट्रस्ट एक्ट 1882 केअन्तर्गत पंजीकृत)
श्रमिको, मजलूमों, गरीबों अनाथो के सेवा में तत्पर
फाउण्डर प्रबन्धकः अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे पत्रकार/ग्राम प्रधान अल्हवा कोरांव, प्रयागराज
कार्यालय : माण्डा वाली रोड, कोरांव-प्रयागराज,
निवास ग्राम-अल्हवा, देवघाट, कोरांव-प्रयागराज 212306
Mob.: 9450613192
E-mail: miskeenss2014@gmail.com, sahjadekoraon@gmail.com

Reg. No. U01400UP2021PTC147142 स्थापना वर्ष - 2021
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS
शेषदुर्गा हर्बल
प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड
अश्वगंधा अकरकरा
प्रयागराज के किसानो से आग्रह है कि सुनहरे भविष्य के लिए औषधीय पौधों की खेती करके अपनी आय चार गुना ज्यादा बनाने के लिए कम्पनी की सदस्यता ग्रहण करें।
फाउण्डर आर. पी. पाण्डेय LL.B
ग्राम-कबरा, पोस्ट-डीहा, तहसील-करछना, प्रयागराज
रजि. कार्यालय-868/5 कृष्णा नगर, अरैल, नैनी, प्रयागराज
Mob.: 9935613506

देश में 9 ट्राइब्यूनल अब होंगे खत्म, राज्यसभा से भी मिली विधेयक को मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में अब 9 ट्राइब्यूनल खत्म हो जाएंगे। इससे संबंधित विधेयक को सोमवार को राज्यसभा से मंजूरी मिल गई। ट्राइब्यूनल रिफॉर्म बिल 2021 लोकसभा में 3 अगस्त को पास हो चुका है। इस विधेयक के जरिए जिन ट्राइब्यूनल्स को खत्म किया जा रहा है उनमें फिल्म सर्टिफिकेशन अपीली ट्रिब्यूनल भी शामिल है। राज्यसभा में बिल पर चर्चा के दौरान वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने विपक्ष के इन आरोपों को खारिज किया कि सरकार न्याय व्यवस्था को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने विपक्ष को आश्वस्त किया कि सरकार न्यायपालिका की स्वतंत्रता में पूरा यकीन रखती है। इस बिल के जरिए सिनेमैटोग्राफ एक्ट 1952, कस्टम्स एक्ट 1962, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया एक्टर 1994, ट्रेड मार्क्स एक्ट 1999 और प्लांट वैरायटीज व फार्मर्स राइट एक्ट 2001 समेत कई अन्य कानूनों में सुधार किया जाएगा। इस दौरान कांग्रेस सांसदों ने जब इस पर सवाल उठाया तो निर्मला सीतारमण ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि यह वही कांग्रेस है, जिसने इमरजेंसी के दौरान न्यायपालिका को ताख पर रख दिया। आज इस पार्टी को न्यायिक स्वतंत्रता की परवाह होने लगी। इस दौरान विपक्ष सदन के वेल में नारेबाजी कर रहा था। वहीं सदन ने इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। निर्मला सीतारमण ने इस बात को भी खारिज किया कि इस बिल में सुप्रीम कोर्ट के आदेश को दरकिनार किया गया है। उन्होंने कहा कि हम यहां पर कानून बनाने के लिए हैं। यह देखना हमारी जिम्मेदारी है कि इस प्रक्रिया में संविधान का उल्लंघन न हो।सरकार ने ट्राइब्यूनल्स के रैशनलाइजेशन की प्रक्रिया साल 2015 में ही शुरू कर दी थी। पहले चरण में ऐसे ट्राइब्यूनल्स को खत्म किया गया था जो जरूरी नहीं थे। ऐसे कई ट्राइब्यूनल्स को उनसे मिलते-जुलते काम वाले ट्राइब्यूनल्स में मर्ज कर दिया गया था। इसी कड़ी में फाइनेंस एक्ट 2017 के जरिए सात ट्राइब्यूनल्स का अस्तित्व खत्म किया गया था। इन सभी का काम करीब-करीब एक जैसा ही था। इसके बाद ऐसे ट्राइब्यूनल्स की संख्या 26 से घटकर 19 हो गई थी। बिल में कहा गया है पिछले तीन साल के दौरान इनका विश्लेषण किया गया है। इनसे मिले आंकड़े दिखाते हैं कि यह ट्राइब्यूनल्स न्याय प्रक्रिया में किसी तरह की तेजी नहीं ला रहे थे और खर्च भी बढ़ा रहे थे।

सूफी आशिक बाबा
सभी समस्याओं का निःशुल्क समाधान के लिए संपर्क करें।
नोट : खोए हुए व्यक्ति को हर हाल में मिलाना, ऊपरी बाधा से परेशान और उसका निःशुल्क समाधान कराना, वैवाहिक जीवन में समस्त कष्टों को दूर कराना, जिन पुरुष व युवती की शादी में किसी प्रकार का कोई रुकावट आ रहा है तो, उसका भी समाधान किया जाता है सभी समस्याओं का समाधान समय से कर दिया जाता है 30 वर्षों का अनुभव प्राप्त।
पताः एडीए कॉलोनी, पुलिस चौकी के पास, नैनी, प्रयागराज
मोबाइल नंबरः 9793403230, 9335128224

मेजा बरसैता डूबे रास्ते पर लगा बैरीकेडिंग तहसील प्रशासन पूरे तरीके से सजक

तहसील प्रशासन के द्वारा नाविकों को हिदायत दी गई थी आवागमन करने वाले से पैसा न ले लेकिन नाविक अपने मनमाने तरीके से पैसा वसूल रहा है

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते बाढ़ का कहर तटीय क्षेत्र में तेजी के साथ बढ़ता चला जा रहा है। टोंस नदी व गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंचने वाला है जिसका सीधा असर तटीय क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है। मेजारोड कोहड़ार मार्ग के बरसैता गांव के सड़क पर भारी में मात्रा में पानी भर चुका है। बता दें कि 2 दिन पूर्व लापरवाही के चलते 2 टूके पानी में समा गई जिसके चलते तहसील प्रशासन के द्वारा उक्त मार्ग पर बांस लगाकर बैरिकेडिंग कर दिया गया आवागमन करने के लिए नाव मात्र एक सहारा है वही तहसील प्रशासन के द्वारा नाविकों को हिदायत दी गई है कि वह आवागमन करने वाले व्यक्तियों से पैसा न वसूले लेकिन नाविक अपने मनमाने तरीके से लोगों से पैसा वसूल रहा है और यात्री प्रशासन का आदेश का हवाला देते है तो उन आवागमन करने वाले व्यक्तियों से लड़ाई करने पर आमादा हो जाते है। जिसे लेकर क्षेत्र के लोगों में खासा आक्रोश बना हुआ है। तेजी से बढ़ रहे टोंस नदी के जलस्तर से हर कोई व्यक्ति भयभीत नजर आ रहा है। गंगा तथा टोंस नदियों के जलस्तर को देखते हुए तहसील महकमा पूरे तरीके से सजग और तटीय क्षेत्र में नजर बनाए हुए है।

सुनसान घर के दरवाजे का ताला तोड़ चोरों ने हजारों का किया माल पार

घूरपुर। क्षेत्र के सेमरकलबना गांव के हाईवे पर स्थित एक सुनसान घर के दरवाजे का ताला तोड़कर घुसे चोरों ने हजारों का माल पार कर दिया। पीड़ित ने मामले की शिकायत घूरपुर पुलिस से की है। घूरपुर थाना क्षेत्र के सेमरकलबना गांव निवासी धर्मेंद्र सिंह ने अभी कुछ दिनों पहले गांव के हाईवे पर एक नए मकान का निर्माण किया है। जिसमें घर के लोग रहते है। रविवार की शाम सभी लोग घर में ताला लगा गांव वाले घर चले गए। इसी का लाभ उठाते हुए चोरों ने घर का ताला तोड़ घुस गए और कमरों में लगे आधा दर्जन सीलिंग फैन व आरओ आदि कई उपकरण लगभग पचास हजार कीमत का उठा ले गए। सोमवार की सुबह लोग पहुंचे तो नजारा देख सभी दंग रह गए। मामले की शिकायत पुलिस से की है।

विधायक ने एसडीएम के साथ बाढ़ प्रभावित गांवों का किया दौर्रा

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। बारा विधायक डॉ अजय कुमार सोमवार के दिन तहसील प्रशासन को साथ ले घूरपुर व लालापुर क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा किया। इस बीच विधायक ने शासन की ओर से मिलने वाली सभी सुविधाओ को मुहैया कराने का भरोसा ग्रामीणों को दिया। साथ ही तहसील प्रशासन को ग्रामीणों की मदद करने के लिए निर्देशित किया।

बारा विधायक डॉ अजय कुमार सोमवार के दिन लालापुर के नौढ़िया, अमिलिया, मेहेरा,मझियारी,मानपुर,कक्करा,जगदीशपुर व घूरपुर के बिरवल, कैनुआ, कंजासा ,बीकर व देवरिया आदि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर ग्रामीणों का हाल जाना। इस बीच ग्रामीणों को विधायक ने आश्वस्त किया कि उनके नुकसान की भरपाई हर हाल में सरकार करेगी। इस बीच साथ रही एसडीएम बारा सौम्या गुरुरानी से ग्रामीणों की हर सम्भव मदद करने का निर्देश दिया। इस मौके पर हरिराम त्रिपाठी,शिवयश पांडेय,मुन्नू शुक्ल, रामसुफल ओझा, विजयराज सिंह, शंकरलाल पांडेय,मोहन यादव, लल्लू पाठक आदि सहित इलाके के प्रशासनिक कर्मी मौजूद रहे।

जीवामृत के प्रयोग से 75% बीमारियां स्वतः दूर हो जायेंगी - आर पी पाण्डेय

जैसा अन्न वैसा तन, जैसा धन वैसा मनठ

अखंड भारत संदेश

करछना। हरित क्रांति के बाद से भारतीय खेती में जिस तरह से ज्यादा फसल उत्पादन के लिए रासायनिक उर्वरकों व जहरीले कीटनाशकों का बड़ी भारी मात्रा में उपयोग हो रहा है उसी तेजी से हमारे खेत भी बंजर भूमि में परिवर्तित होते जा रहे हैं, परिणामस्वरूप प्राकृतिक रूप से मिट्टी में पाए जाने वाले सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो गए और फसल की पैदावार पर भी प्रतिकूल असर देखने को मिल रहा है, किसानों की आय का एक बड़ा हिस्सा जहरीले कीटनाशकों व रासायनिक खादों पर खर्च हो रहा है। अनाज के माध्यम से हम सभी इन्हीं जहरीले कीटनाशक व रासायनिक खाद को खा रहे है, परिणामस्वरूप हमारे शरीर के सभी आन्तरिक अंग धीरे धीरे शिथिल हो कर निष्क्रिय होते जा रहे हैं, हमारे शरीर की इम्यूनिटी पॉवर (रोग प्रतिरोधक क्षमता) नष्ट होती जा रही है, अब हम जल्दी जल्दी बीमारियों कि गिरफ्त में आ जाते हैं, हमारे शरीर में साधारण सी बीमारी से लड़ने की भी क्षमता नहीं रह गई है जिसके कारण दवाओं का असर भी बहुत देर में होता है। इन्हीं जहरीले व रासायनिक अनाज के कारण उच्च रक्त चाप, मधुमेह, गठिया, पेट की बीमारियां, दुर्बल शरीर, नेत्र रोग, समय से पहले बल गिरना व सफेद होना, नपुंसकता, व रोग प्रतिरोधक क्षमता नष्ट होना जिसके कारण कोरोना जैसी महामारी से लाखों लोगों को जान गवाना भी इसका एक प्रमुख कारण है।

कच्चे मकान की दिवाल गिरने से महिला गंभीर रूप से घायल

लेडियारी। क्षेत्र के कोरांव तहसील अन्तर्गत ग्राम पंचायत डीही खुर्द में कच्चे मकान की दिवाल गिरने से महिला गंभीर रूप घायल हो गई है। सूर्य कली पतनी भोला राम हरिजन उम्र लगभग 50 वर्ष परिवार के अथक प्रयास से महिला को मिट्टी के बनीं दिवाल को बाहर कर निकालने में सफल हो गए है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गर्दन के अलावा पुरे अंग दबे हुए थे। उपचार हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोरांव लेकर गये।

युवा पीढ़ी को क्रांतिकारियों से प्रेरणा लेने की जरूरतःडॉ अजय

अमृत महोत्सव में याद किए गए आजादी के परवाने

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़,प्रयागराज। विकास खंड शंकरगढ़ में सोमवार को चौरी चौरा शताब्दी एवं आजादी के अमृत महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें काकोरी कांड के साथ ही देश के लिए प्राण न्यौछावर करने वाले रणबांकुरों को नमन करते हुए उनके कार्यों को याद किया गया। ब्लाक मुख्यालय सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में बारा विधायक डा. अजय कुमार ने वीर शहीदों के जीवन पर प्रकाश डाला। कहा कि उनका जीवन आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

काकोरी कांड के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए विधायक ने कहा कि देश को आजाद कराने में देश की तत्कालीन युवा पीढ़ी का बहुत बड़ा रोल है। देश के युवाओं ने ही बरतानिया हुकूमत से देश को आजादी दिलाई। उनका यह बलिदान देश हमेशा याद रखेगा। उन्होंने चौरीचौरा कांड का स्मरण करते हुए कहा कि उस समय क्रांतिकारियों ने अंग्रेजी हुकूमत की यातना सहते हुए देश को आजादी दिलाई। पूरा भारत उनका कृतज्ञ है।

ब्लाक मुख्यालय शंकरगढ़ के सभागार में आजादी के अमृत महोत्सव एवं चौरीचौरा शताब्दी महोत्सव के आयोजन में बड़ी संख्या में क्षेत्र के प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने भी सहभागिता की। समारोह पर प्रकाश डालते हुए बारा विधायक डा. अजय कुमार के साथ क्षेत्र पंचायत प्रमुख निर्मला देवी, बीडीओ अमित मिश्र और एडीओ (पंचायत) दीपेश सिंह ने भी शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किया।

कार्यक्रम में प्रधान संघ के अध्यक्ष पुष्पराज सिंह, महामंत्री दिनेश मिश्र, मंडल अध्यक्ष अंजनीलाल, कुलदीप सिंह, भाजपा नेता सोमनाथ वर्मा, बृजेश सिंह, प्रधान वीरेंद्र दुबे, प्रधान शैलेंद्र सिंह, मंगलेश सिंह, परमेश्वर सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष कुलदीप सिंह, मोहनलाल, ग्राम पंचायत अधिकारी राजेंद्र कुमार मौर्या, पूर्व प्रधान रामबाबू सिंह आदि मौजूद रहे। इस महोत्सव में राजा कमलाकर इंटर कालेज के बच्चों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत कर माहौल का भावुक बना दिया। बच्चों का इस प्रदर्शन की लोगों ने खूब सराहना की।

जन्मदिन, शादी सालगिरह पर पौधे भेंट करने की परम्परा विकसित करें : विकास सोनी

घूरपुर। किसी भी देश का कायापलट अमुक देश का युवा ही कर सकता है जिस राष्ट्र का युवा सभ्य एवम शिक्षित होगा वह राष्ट्र उतना ही अधिक विकसित करेगा प्रत्येक युवा साथी पर्यावरण, जल संरक्षण इत्यादि विषयों पर गंभीर होकर कदम आगे बढ़ाने की जरूरत है इससे देश को विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं से बचाया जा सकता है साथ ही स्वच्छ एवम साफ सुथरा बनाया जा सकता है उक्त बातें युवा समाजसेवी एवम स्वर्णकार युवा क्रांति मंच के प्रदेश सचिव विकास सोनी ने अपने जन्मदिन पर ग्रामीणों में आम, कटहल, नीबू, कदम्ब, चितवन, अशोक, जामुन आदि पौधे वितरण के दौरान व्यक्त किये इस दौरान श्री सोनी ने युवाओं को नशा से विभिन्न नुकसान को समझाते हुए नशामुक्त समाज की स्थापना करने पर भी बल दिए इसके साथ युवा समाजसेवी ने विभिन्न सामाजिक समस्याओं एवम उनके निस्तारण पर भी अपने सुझाव ग्रामीणों के मध्य साझा किये साथ ही युवाओं से जन्मदिन, शादी सालगिरह इत्यादि आयोजनों पर महंगे उपहार के बजाय पौधे भेंट करने की परम्परा विकसित करने पर बल दिये।

पत्नी मायके गई तो, पति ने लगाई फांसी, मौत

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के रामपुर गांव में एक दिव्यांग व्यक्ति की पत्नी मायके चली गई और बुलाने पर नहीं आई तो उसने बीती देर रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर अपनी जान दे दी। जिससे परिजनों में कोहराम मचा रहा। जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र के रामपुर ग्राम सभा के अंतर्गत शैलेशनगर,भैसिया मजरा निवासी गणेश कुमार (36) पुत्र मंगरू लाल व उसकी पतनी दोनों दिव्यांग थे। बताया जाता है कि पति-पत्नी के बीच आपस में बनती नहीं थी। बीते कुछ दिन पूर्व उसकी पतनी अपने मायके चली गई। इस दौरान दिव्यांग पति ने अपनी पत्नी को बुलाने के लिए हर संभव प्रयास किया, लेकिन वह अपने ससुराल नहीं पहुंची। बीती रात वह भोजन आदि करने के बाद अपने कमरे में चला गया। इधर सोमवार सुबह जब वह सोकर नहीं उठा तो परिजनों ने कमरे के बाहर से आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई प्रक्रिया नहीं मिली। खिड़की से जब परिजनों ने देखा तो वह साड़ी और चुल्हे की मदद से फांसी के फंदे पर झूल रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और किसी प्रकार दरवाजे को खोलकर उसे नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। हालांकि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

करेंट लगने से दो भैस झूलसी

लालापुर। छतहरा गांव में करेंट की चपेट में आने से एक पशुपालक की दो भैंस झुलस कर मर गई। लाख कीमत की दो भैंस के मरने से पशुपालक परिवार में कोहराम मच गया है। छतहरा निवासी राजाराम यादव शाम के गांव के बाहर अपनी दो भैस चरा रहा था। एलटी लाइन का तार रास्ते मे गिरा हुआ था जिसमे करेंट दौड़ रहा था दोनो भैंस तार की चपेट में आकर झुलस गई और मर गई।

माँ सेवा संस्थान ने कुशगढ मंदिर प्रांगण मे चलाया स्वच्छता अभियान

करछना। तहसील क्षेत्र के रोकडी गांव के विनायक पण्डित अध्यक्ष माँ सेवा संस्थान के सदस्यों की टीम के द्वारा प्रत्येक सोमवार की भांति सावन के तीसरे सोमवार को भी माँ सेवा संस्थान के द्वारा देवाधिदेव महादेव के धाम कुशगढ़ शिव मंदिर पर चलाया गया स्वच्छता अभियान। इस पुनीत कार्य से क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों समेत मंदिर पर दर्शन करने पहुंचे भक्तों ने इस सराहनीय कार्य की सराहना की। जिसमें- अनुज केसरवानी, विनोद आदिवासी, भीम आदिवासी, व अन्य मित्र उपस्थित रहें।

मेजा ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि ने बाढ़ क्षेत्रो का किया दौड़ा

अखंड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र के ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि मेजा गंगा प्रसाद मिश्र सोमवार को विकास खंड मेजा अंतर्गत बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा कर पीड़ित लोगों को यथा संभव सहयोग देने की बात कही। उन्होंने प्रभावित लोगों से शासन द्वारा दिए जाने वाले मदद को उनके पास पहुंचने का आश्वासन दिया। उन्होंने लोगों से बाढ़ के समय तक सुरक्षित स्थान प्राथमिक स्कूल पर जाने के लिए कहा। श्री मिश्र ने बरसैता,कोना, भटौती,सिंहपुर आदि बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा किया। उन्होंने नाव से लोगों के घर जाकर उनका हालचाल जाना और उन्हें सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए कहा। उनके साथ सिंहपुर के प्रधान शशिकांत पांडेय,सचिव राजेश त्रिपाठी सहित प्रभावित गांव के प्रधान व बीडीसी मौजूद रहे।

चनेथू में युवक की मौत परिजनों में कोहराम रो रोकर बुरा हाल

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। पुलिस चौकी जंघई क्षेत्र के चनेथू गाँव में सोमवार की सुबह विपिन कुमार दुबे उम्र 21 वर्ष पुत्र माता सहाय दुबे की मौत हो गई। परिजनों के अनुसार विपिन रविवार रात में खाना खाकर प्रतिदिन की तरह घर के बाहर बरामदे में सोया था भोर में करीब 4 बजे उसे उल्टी हुई और जोर जोर से चिल्लाने लगा कि अब नहीं बचूंगा। परिजन आनन फानन में जंघई बाजार अस्पताल लेकर भागे वहाँ से डाक्टर ने प्रयागराज रेफर कर दिया अंदावा पहुंचे ही थे कि विपिन की सांसें थम गई। फिर भी माता पिता प्रयागराज के एक निजी अस्पताल तक लेकर गये लेकिन डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजन शव लेकर चनेथू गाँव पहुंचे शव देखने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया चार भाइयों में विपिन तीसरे नंबर का था परिजनों के अनुसार करीब 20 दिन से मलेरिया टाईफाइड बुखार से विपिन पीड़ित था उसका इलाज चल रहा था और ठीक भी हो गया था। लेकिन अचानक यह सब कैसे और क्यों हुआ सभी स्तब्ध है विपिन के मित्रों के अनुसार रात 11 बजे तक हम लोगों के साथ बैठकर मोबाइल पर गेम खेल रहा था और स्वस्थ था अचानक रात में उसकी तबियत कैसे बिगड़ी या किसी विषैले जंतु ने उसे काट लिया कुछ पता नहीं चल पाया। क्योंकि विपिन का चेहरा काला पड़ गया था इसलिए कुछ लोग विषैले जंतु के काटने की आशंका जता रहे हैं पूरे परिवार का इस समय रो रोकर बुरा हाल है।

आजादी के अमृत महोत्सव चौरी चौरा शताब्दी महोत्सव का बसही मे हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

करछना। काकोरी एक्शन की 75वी वर्षगांठ पर अमर शहीद नायक लालमणि यादव स्मारक बसही में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख करछना प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी एवम विशिष्ट अतिथि संतोष कुमार श्रीवास्तव खंड शिक्षा अधिकारी करछना रहे मुख्य अतिथि एवम विशिष्ट अतिथि तथा प्रधान बसही हिमांशु सिंह शहीद स्मारक पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर दीप प्रज्जवलित किये जूनियर हाई स्कूल बसही एवम बसही में स्थित तीनो प्राथमिक विद्यालय के बच्चे सँयुक्त रूप प्रभात फेरी निकाले । शहीद की बेटी मंजू यादव एवं बड़े भ्राता श्री कमला प्रसाद यादव का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया श्रंद्धाली सभा मे आलोक तिवारी , मान सिंह ,अजय प्रताप सिंह, कमलेश पुष्कर ,राजेन्द्र प्रसाद पांडेय , नुमान अली, दीनानाथ पांडेय , आदि उपस्तिथ रहे

प्रदेश मंत्री बनाए जाने पर परानू बाबा के दरबार में हुआ भंडारा

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़,प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा (यमुनापार) की अध्यक्ष आकांक्षा सोनकर को प्रदेश मंत्री बनाए जाने की खुशी में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने परानू बाबा के दरबार में विशाल भंडारे का आयोजन किया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। सावन के महीने में परानू बाबा बरगढ़ में आयोजित इस भंडारे में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री आकांक्षा सोनकर ने भी सहभागिता की। उन्होंने परानू बाबा का दर्शन-पूजन किया और पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के बीच जाकर उनका हौसला बढ़ाया। इसके साथ ही भंडारे में सहभागिता कर लोगों के बीच प्रसाद का वितरण भी किया। अंत में भंडारे के आयोजक अनूप जायसवाल ने सभी के सहयोग के लिए आभार जताया। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री आकांक्षा सोनकर भाजपा में लंबे समय से हैं। स्टेनली रोड निवासी आकांक्षा सोनकर की लोकप्रियता, लगन व कार्यशैली को देखते हुए भाजपा हाईकमान ने बीते दिनों उनकी जिम्मेदारी में इजाफा किया था। मौके पर अनूप जायसवाल, नितेश केसरवानी, ममता साहू,उमा वर्मा,आशीष सोनकर आदि लोग रहे।

विधायक ने अपने अंग रक्षक का मनाया जन्मदिन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। हमेशा सुर्खियों में बने रहने वाले प्रयागराज की आन बान शान युवा तेजतर्रार विधान परिषद सदस्य सुरेंद्र चौधरी अपने दरिया दिल के कारण हमेशा सुर्खियों में बने रहते है। कल अपने अंगरक्षक पवन यादव का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया बताएं कि यह सब हमारे परिवार है। हमारा पूरा प्रदेश परिवार है। छोटे-छोटे खुशियां बांटने से बहुत खुशी मिलती है। यही अंदाज विधायक का लोकप्रियता दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। जो यह कार्य अत्यंत सराहनीय है ऐसे जनसेवक बहुत कम ही देखने को मिलते है। अंगरक्षक के जन्मदिन को बेहतरीन ढंग से मनाया गया जन्मदिन विधायक के आवास पर मनाया गया इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं विधायक के परम मित्र सुधीर कुमार साहू बऊआ सांसद प्रतिनिधि (भाावी विधायक प्रयागराज)की उपस्थिति में यह कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया।

संगमनगरी में बाढ़ : गंगा खतरे के निशान से 62 और यमुना 54 सेमी ऊपर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। संगम नगरी में सोमवार को गंगा - यमुना खतरे के निशान से आधा मीटर से ऊपर बहने लगी। इससे रिहायशी इलाकों की ओर बाढ़ का पानी घुसने लगा। यही हाल रहा तो मंगलवार तक तटीय इलाकों में हालात और बिगड़ जाएंगे। रात आठ बजे गंगा खतरे के निशान से 62 सेमी और यमुना 54 सेमी ऊपर पहुंच गई। फिलहाल दोनों नदियां दो सेमी प्रतिघंटा की रफ्तार से बढ़ रही हैं।

बाढ़ से हालात चिंताजनक होते जा रहे हैं। तटवर्ती इलाके की बड़ी आबादी बाढ़ से प्रभावित हो गई है। सोमवार को शहरी इलाकों की ओर बाढ़ का रुख होने से लोगों के दिलों की धड़कनें तेज हो गईं। हालांकि इस दिन माताटीला से यमुना में पानी नहीं छोड़ा गया।

कानपुर बैराज से भी गंगा में पानी नहीं छोड़ा गया।

इससे अगले 24 घंटे में यमुना का वेग रुकने की बात कही जा रही है। सिंचाई बाढ़खंड के एक्सईएन ब्रजेश कुमार सिंह ने बताया कि यमुना की रफ्तार घटने लगी है। रात 10 बजे के बाद 1.50 सेमी प्रतिघंटा की रफ्तार से यमुना का जलस्तर बढ़ रहा था। एक्सईएन का कहना है कि अगर फिर बारिश नहीं हुई और बांधों से पानी नहीं छोड़ा गया तो मंगलवार तक यमुना का वेग थम सकता है।

नैनी में नकदी सहित लाखों रुपए के जेवरात चोरी

तहरीर देने के बावजूद नहीं हुई रिपोर्ट दर्ज

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के मामा भांजा इलाके में चोरों ने एक बार फिर नैनी पुलिस को खुली चुनौती देते हुए नकदी समेत लाखों रुपए के जेवरात पर हाथ साफ कर फरार हो गए। वहीं पुलिस हाथ पर हाथ रखे बैठी रही। भुक्तभोगी ने मामले की तहरीर पुलिस को दी है, लेकिन पुलिस जांच का हवाला देकर रिपोर्ट दर्ज करने से इंकार कर दी।

जानकारी के मुताबिक नैनी कोतवाली क्षेत्र के मामा भांजा इलाके के रहने वाले हरभजन पुत्र राम भवन के घर बीते दो दिन पूर्व रात्रि प्रहर में मौका पाते ही चोरों के एक गिरोह दाखिल हो गए और एक बक्से का ताला तोड़कर उसमें रखे लगभग डेढ़ लाख रुपए के सोने चांदी से निर्मित जेवरात और बीस हजार रुपए नकदी पर हाथ साफ कर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। वहीं पुलिस मामले को पूरी तरह से संदिग्ध मान रही है।

स्वतंत्रता सेनानियों की याद में मनाया गया अमृत महोत्सव व परिजनों को किया गया सम्मानित

सरफरोशी की तमनन अब हमारे दिल में है

अखंड भारत संदेश

बहरिया। भारत देश को आजाद करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी।75 वे शहीद दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने के लिए विकासखंड बहरिया में एक कार्यक्रम रखा गया।ग्राम विकास अधिकारी राकेश शुक्ला ने बताया कि 1922 में चौरी चौरा कांड महात्मा गांधी के नेतृत्व में चलाया गया है।जिसे जनता की क्रांति के रूप में जाना जाता है।जिसमें 19 स्वतंत्रता सेनानियों को सजा हुई।और बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। वहीं महात्मा गांधी के सहयोग आंदोलन समाप्त करने के बाद नौजवानों ने क्रांतिकारियों योजना बनाकर अंग्रेज सरकार के खजाने को लूटने के लिए करौली लखनऊ से पहले ही ट्रेन को रुकवा कर अंग्रेजों का धन व हथियार लूट

लिया जिसमें पकड़े जाने पर सभी को फांसी की सजा हो गई। इस बीच शेखर आज़ाद मौका पाकर वहां से भाग निकले नाम बदलकर देश आजाद कराने के लिए अलग-अलग स्थानों पर रहकर लड़े एक गोली बचाने के बाद अपने आप को गोली मारकर शहीद हो गए।जिस पर एक सुंदर लाइन लिखा गया है। सरफरोशी की तमनन अब हमारे दिल में है।एडीओ पंचायत के सी पांडे ने स्वतंत्रता सेनानी रामलाल के परिजन लौकेश मिश्रा निवासी गारापुर शहीद गंगा प्रसाद के परिजन शिव कुमार निवासी मदरा शहीद राम अवतार के परिजन उदय प्रताप यादव शहीद पंचम लाल यादव के परिजन गुलाब पति देवी को साल देकर सम्मानित किया गया।इस मौके पर एडीओ आईएसबी प्रमोद कुमार सिंह जी आर एस भागवत प्रसाद जेएमआई त्रिभुवन सिंह ग्राम विकास अधिकारी विरेंद्र कुमार आलोक कुमार बीटी अभिषेक कुमार बीटी प्रधान सीताराम यादव संतोष कुमार राकेश कुमार अरुण कुमार लेखाकार रमेश नारायण मिश्र समेत क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे।

बीडियो बहरिया ने महिलाओं को दिया दो दिवसीय मेठ परीक्षण

अखंड भारत संदेश

बहरिया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत खंड विकास अधिकारी कविता तिवारी की अध्यक्षता में दो दिवसी परीक्षण का कार्यक्रम चलाया गया।जिसमें बताया कि मनरेगा के कार्यों के विषय में महिलाओं को निमन जानकारी दी जाती है।जैसे कोविड-19 प्रोटोकॉल श्रमिकों के दस्तावेजों के रखरखाव आदमियों के बारे में तकनीकी जानकारी के विषय में विस्तार पूर्वक से बताया गया।उन्होंने बताया कि कल के परीक्षण में असली परीक्षण कराकर जानकारी बताई जाएगी।इस मौके पर एडीओ आईएसबी प्रमोद कुमार सिंह अरुण कुमार त्रिपाठी लेखाकार अरुण कुमार कुशवाहा कृष्ण कुमार पाल एस डी सुनील कुमार श्रीवास्तव के अलावा महिला मेठ आशा प्रजापति सरिता देवी सीता प्रजापति सरोजा देवी पाल रेनू सिंह पाल शांति यादव रंजना पटेल के अलावा समस्त मनरेगा मेठ उपस्थित रहे।

मनकामेश्वर मंदिर में कमिश्नर ने किया रुद्राभिषेक, दर्शन करने पहुंचे जज भी लगे लाइन में

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज त् सावन के तीसरे सोमवार पर मनकामेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच रुद्राभिषेक करने पर कमिशनर संजय गोयल विवादों में घिर गए। श्रद्धालुओं का आरोप था कि कमिशनर के परिवार समेत पूजा-अर्चना करने केदौरान कतार में उनको काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। श्रद्धालुओं के बीच हाईकोर्ट के तीन जज भी खड़े थे, भोलेनाथ के दर्शन में विलंब होने पर वे भी खिनन दिखे। उधर कमिशनर का कहना है कि वह रुद्राभिषेक करने तो गए थे, लेकिन इस दौरान किसी श्रद्धालु को दर्शन करने से नहीं रोका गया।

कमिशनर शाम पांच बजे केकरीब मनकामेश्वर मंदिर में रुद्राभिषेक करने पहुंचे थे। कमिशनर केसाथ उनका परिवार भी था। सावन महीने का सोमवार होने के कारण मंदिर में बड़ी संख्या में आम श्रद्धालु भी दर्शन-पूजन करने के लिए जुटे थे। कमिशनर ने करीब डेढ़ घंटे तक परिवार समेत रुद्राभिषेक किया। आरोप है कि इस दौरान मंदिर के मुख्यस्थल में ही बैरीकेडिंग कर दी गई, जिससे आम श्रद्धालुओं को दर्शन-पूजन के लिए इंतजार करना पड़ा।

खास बात यह रही कि इस दौरान हाईकोर्ट के तीन जज भी

वहां पहुंचे और उन्हें भी परेशान होना पड़ा। इसे लेकर श्रद्धालु ही नहीं, बल्कि जजों में भी नाराजगी रही। घटना लोगों के बीच चर्चा विषय भी बनी रही। उधर इस मामले में मनकामेश्वर मंदिर के महंत श्रीधरानंद ब्रह्मचारी का कहना है कि कमिशनर शाम को पांच बजे रुद्राभिषेक केलिए आए थे। उनकेआने से पहले मंदिर परिसर की साफ-सफाई केलिए 15 मिनट तक दर्शन-पूजन रोका गया था। इसकेबाद कतारबद्ध होकर श्रद्धालु पूर्व की तरह दर्शन पूजन करते रहे।मैंने सिविल सेवा की तैयारी प्रयागराज से ही की है। पढ़ाई के दौरान ही मनकामेश्वर मंदिर में रुद्राभिषेक का संकल्प लिया था। इसी संकल्प को पूरा करने के लिए मैं मंदिर गया था। मैंने एक कोने में पूजा की। इस दौरान किसी को रोका नहीं गया। रुद्राभिषेक का कार्यक्रम कुछ देर तक चलता है। सावन केसोमवार केदिन इतनी देर तक दर्शन केलिए किसी को रोकना अव्यवहारिक है। मैंने हिदायत भी दी थी कि किसी को न रोका जाए। मेरी जानकारी में किसी को पूजन से रोका नहीं गया है।

काकोरी घटना के वर्षगाँठ पर अमर शहीदों को किया याद

अखण्ड भारत संदेश

सिरसा/मेजा। प्रयागराज मेजा क्षेत्र के विकास खंड मेजा के सभागार में आज काकोरी ट्रेन घटना के वर्षगाँठ व आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर अमृत महोत्सव मनाया गया इस महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में ब्लाक प्रमुख मेजा व अध्यक्षता उप जिला अधिकारी ने की संचालन राजेश कुमार त्रिपाठी ने किया।

उपजिलाधिकारी ने सभागार में शिक्षकों,छात्रों व कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह महोत्सव काकोरी घटना में शहीद राम प्रसाद बिस्मिल ,असफाक उल्ला खा, रोशन सिंह,राजेन्द्र लाहिड़ी के बलिदान को याद करने का दिवस है इस तिथि में चौरी चौरा की घटना के शताब्दी वर्ष व स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर महोत्सव कर वीर शहीद को नमन करने का भी दिन है। इसके पूर्व ब्लॉक परिसर में शहीद स्तम्भ पर श्रद्धासुमन समर्पित कर

शहीद स्मारक पर दी श्रद्धांजलिशताब्दी वर्ष व स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर वीर शहीद को नमन करने का दिन है

स्थानीय वीर सपूतों को भी नमन किया और उनके परिवार को सम्मानित भी किया गया।समारोह में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्र ने कहा कि शहीदों का जो सम्मान मोदी व योगी जी की सरकार में हुआ ऐसा कभी नही हुआ।खंड शिक्षा अधिकारी मेजा ने कहा कि विद्यालयों में भी देश के लिए बलिदान देने वाले क्रांतिकारियों के विषय मे छात्रों से चर्चा कर उनके कृतित्व से सीख लेने का भी दिवस है।मौके पर शिक्षक संघ अध्यक्ष मनीष तिवारी ने कहा स्कूलों में ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को इससे प्रेरणा लेने का अवसर दे।इस मौके पर सहायक विकास अधिकारी मेजा,संदीप तिवारी,संजय पटेल,मुदित विशाल,प्रवीण दुबे,अनिता कुमारी,शिवानी ,सरिता, अर्चना,ज्योत्सना, सुनील तिवारी,रामशंकर पांडेय, हंसराज

दो मासूम बच्चों को अनजान जगह छोड़कर भागने वाला नकारा पिता कौन

अंखड भारत संदेश

प्रयागराज। पूरामुफ्ती थाना से चंद कदम की दूरी पर सुनसान जगह देखकर दो मासूम बच्चों को एक व्यक्ति अनजान जगह पर छोड़कर भाग गया है जबकि वह व्यक्ति कोई और नहीं बल्कि उक्त दोनों मासूम बच्चों का पिता बताया जा रहा है। लोगों के बीच तरह - तरह की चर्चाएं हो रही है कि आखिर वह नकारा व्यक्ति कौन है जो दो मासूम बच्चों को अनजान जगह छोड़कर भाग गया है और फिर से उन्हें वापस लेने आज तक नहीं आया। अब सवाल उठ रहा है कि आखिर उक्त व्यक्ति के कौन से कार्य में मासूम बच्चे बाधक बन रहे थे जो उसे ऐसा कदम उठाना पड़ा। गौरतलब है कि चार दिन पहले पूरामुफ्ती

थाना से पांच सौ मीटर की दूरी पर किराए पर रह रही दुर्गा देवी के कमरे के सामने एक व्यक्ति दो मासूम बच्चों को छोड़कर भाग गया जिसमें लक्ष्मी नाम की लगभग सात वर्ष की एक लड़की है और सूरज नाम का लगभग पांच वर्ष का लड़का है। लोगों के द्वारा पूछने पर छोटी बच्ची ने पिता का नाम श्रवण और माता का नाम सुनीता बताया इसके अलावा और कुछ नहीं बता पा रही है। कई दिन बीत जाने के बाद बच्चों की खबर लेने कोई नहीं आया इसलिए स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना चाइल्ड हेल्प लाइन को दे दी जबकि चाइल्ड हेल्प लाइन के कर्मचारी मौके पर पहुंच कर दोनों मासूम बच्चों को अपने कब्जे में ले लिए हैं।

150 वर्ष प्राचीन मन्दिर की हालत जर्जर, कभी भी हो सकता है धराशायी

करछना। क्षेत्र के ग्राम सभा भरहां में लगभग 150 साल पुरानी बाबा कुन्दन दास की कुटिया है। जिसमें आत्मज्ञानी बाबा कुन्दन दास रहा करते थे। अब उनके परलोक वासी हो जाने के बाद कोई सन्त या देख रेख करने वाला इसमें रहने को तैयार नहीं होता जिससे यह कुटी बिल्कुल अस्त व्यस्त और जर्जर होती जा रही है। गांव के ही कुछ भक्ति भाव करने वाले लोगों के द्वारा कभी-कभी साफ सफाई कर दी जाती है। कुटिया की छत इतनी जर्जर हो चुकी है जो कभी भी धराशायी हो सकती है इसी कारण उसमें कोई रहने को तैयार नहीं होता।सड़क की ऊंचाई से अब मन्दिर बहुत नीचे हो गया है जिससे बरसात के दिनों में सड़क के किनारे बनी नाली का पानी हनुमान जी के मन्दिर के अन्दर से होकर बहता है।

हम सबका है एक ही नारा, नशामुक्त हो देश हमारा'

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़,प्रयागराज। नशे की गिरफ्त में आकर अपना जीवन बर्बाद कर रही युवा पीढ़ी को इस दलदल से निकालने के उद्देश्य को लेकर भाजपाइयों ने से नशामुक्ति अभियान शुरू किया है। आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर आज से शुरू किए गए इस अभियान के तहत कुल 75 लाख लोगों को नशे के दलदल से निकालने का लक्ष्य लेकर सोमवार को पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जागरुकता रैली निकाली और लोगों को जागरुक किया। भाजपा जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती (यमुनापार) की अगुवाई में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने नगर पंचायत शंकरगढ़ क्षेत्र में बैनर-तख्ती लेकर जागरुकता रैली निकाली और लोगों को जागरुक किया। नशे से होने वाले नुकसान से अवगत कराया और नशामुक्ति का फायदा भी गिनाया। 'हम सबका है एक ही नारा, नशामुक्त हो देश हमारा', 'पल भर का नशा, जीवनभर की सजा' जैसे नारों के साथ कार्यकर्ताओं की टोली ने कस्बे के सदर बाजार, लाइनपार, रामभवन, पुरानी बाजार आदि जगहों पर भ्रमण किया और लोगों को जागरुक किया।

आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर भाजपाइयों ने चलाया अभियान, 75 लाख लोगों को नशामुक्त बनाने का लक्ष्य

जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर किया अभिनंदन

जागरुकता रैली के उपरांत भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने महिला अस्पताल परिसर में भाजपा नेता संतोष त्रिपाठी का स्वागत-अभिनंदन किया। भाजपा नेता संतोष त्रिपाठी (प्रबंधक, नवोदित शिक्षा केंद्र लाइनपार) को हाल ही में पार्टी ने जिला उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है। नशामुक्ति जागरुकता कार्यक्रम और अभिनंदन समारोह में चेयरमैन लल्लू कनौजिया, सभासद सुधा गुप्ता, जिला मंत्री शिवराम सिंह परिहार, जिला कोषाध्यक्ष अनूप केसरवानी, सुजीत केसरवानी, अमरेश तिवारी, राज सरोज, मनोज पासी, मसुरियादीन वर्मा, रंजीत पाल, उमा वर्मा, व्यापार मंडल अध्यक्ष मूलचंद्र गुप्ता, मंडल मंत्री कुशल जैन, मंडल उपाध्यक्ष सोमनाथ वर्मा, रामानुज गुप्ता, गीता सिंह, डा. प्रेमचंद्र, अखिलेश सिंह,पंकज केसरवानी,नितेश केसरवानी,पल्लवी केसरवानी आदि मौजूद रहे।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

दोस्ती पर भारी पड़ी हवसःपहले दोस्त की विधवा, फिर नाबालिग बेटी से किया रेप, दी धमकी, गिरफ्तार

अंखड भारत संदेश

नैनी। हवस में अंधे एक व्यक्ति ने अपने दोस्त की 14 साल की बेटी के साथ रेप किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। किशोरी की विधवा मां ने देखा तो शोर मचा दिया। तब जाकर आरोपी वहां से भागा। करीब 10 महीने से दोस्त की विधवा पतने की मजबूरी का फायदा उठाने वाले शख्स ने जब उसकी बेटी के साथ गलत किया तो महिला का धैर्य जवाब दे गया। उसकी तहरीर पर नैनी कोतवाली में आरोपी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। किशोरी को मेडिकल के लिए भेजा गया है।

14 साल की बेटी की लूटी आबरू तो महिला ने की शिकायत

उक्त व्यक्ति की पतने ने बताया कि गत चार अगस्त को रणजीत ने उसकी 14 साल की छोटी बेटी के साथ रेप किया और जान से मारने की धमकी दी। बड़ी बेटी ने देखा तो उसे भी धमकी दी। सात अगस्त की देर शाम फिर रणजीत अरैल में महिला के पास पहुंचा और उसकी छोटी बेटी को कमरे में ले जाकर गलत करने लगा। उसने शोर मचाया तो मोहल्ले के लोग इकट्?ठा हो गए। मोहल्ले वालों ने उसे पकड़कर पीट दिया। उसके बाद रणजीत वहां से भाग गया। पीड़िता भी अपने तीनों बच्चों को लेकर वहां से शहर चली गई। नौ अगस्त को सुबह उसने नैनी कोतवाली में शिकायती पत्र दिया। इंस्पेक्टर नैनी सुजीत कुमार दुबे ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई। सीओ करछना राजेश यादव ने बताया कि आरोपी को पकड़ लिया गया है। पीड़िता को मेडिकल के लिए भेजा गया है।

कर्जदारों से परेशान होकर आरोपी के पास डेढ़ साल पहले मदद मांगने गई थी विधवा

नैनी। कीडगंज निवासी रणजीत सिंह यादव उर्फ डब्बू की मोहल्ले के ही रहने वाले एक व्यक्ति के साथ गहरी मित्रता थी। दोनों पार्टनरशिप में काम करते थे। उक्त ने कई लोगों से कर्ज ले रखा था। 11 दिसंबर 2018 में उक्त व्यक्ति की बीमारी से मौत हो गई। कर्ज देने वाले लोग उसकी पतने व तीन बच्चों को परेशान करने लगे। उसकी पतने ने रणजीत सिंह से मदद की गुहार लगाई। उसे कम ब्याज पर बैंक से लोन दिलाने का झांसा दिया और कहा जब तक लोन नहीं हो जाता, तब तक वह यहां से कहीं और हट जाए।

डेढ़ साल से कर रहा था दोस्त की पत्नी के साथ रेप

नैनी। 15 अक्तूबर 2020 को रणजीत सिंह ने उक्त व्यक्ति की पतने और बच्चों को कीडगंज से ले जाकर नैनी के अरैल स्थित मुखिया नगर में दो कमरे के अपने मकान में रख दिया। करीब 38 वर्षीया महिला के अनुसार शुरूआत के दिनों तो सब ठीक था, लेकिन बाद में रणजीत सिंह की नियत खराब होने लगी। महिला के अनुसार पिछले साल ही एक दिन रणजीत सिंह अचानक घर पर आया और रात में रुक गया। जब सब बच्चे सो गए तो रणजीत ने पीड़ता के साथ रेप किया। विरोध करने पर उसका और उसके बच्चों का भरण पोषण करने का आश्वासन देकर शांत करा दिया। तब से रणजीत लगातार महिला के साथ रेप करता आ रहा था। कुछ दिन बाद उसने उसकी बड़ी बेटी के साथ भी रेप किया। विरोध करने पर महिला को जान से मार देने की धमकी दी।

मण्डलायुक्त, आईजी एवं जिलाधिकारी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया भ्रमण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मण्डलायुक्त संजय गोयल, आईजी के0पी0 सिंह एवं जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री तथा डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने सोमवार को दारागंज, बघाड़ा, सलोरी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने दारागंज से एनडीआरएफ टीम के साथ नांव से छोटा बघाड़ा, सलोरी एवं दारागंज के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर वहां के लोगो से जानकारी ली तथा उन लोगो को बनाये गये बाढ़ राहत केन्द्रों में अवस्थापित होने के लिए कहा है। उन्होंने सम्बंधित

अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिये है साथ ही साथ नांवों से निरंतर भ्रमणशील रहकर स्थिति पर नजर बनाये रखने के लिए भी निर्देशित किया है। मण्डलायुक्त, आईजी एवं जिलाधिकारी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के भ्रमण के बाद बनाये गये बाढ़ राहत केन्द्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कैण्ट हाईस्कूल तथा अन्य बाढ़ राहत केन्द्रों का भ्रमण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने बाढ़ राहत केन्द्रों पर मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था किये जाने तथा राहत केन्द्रों पर चिकित्सा सुविधाओं की भी व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया है। साथ ही साथ उन्होंने बाढ़ राहत केन्द्रों पर खाने, पीने के पानी, प्रकाश, साफ-सफाई, दवाई तथा डस्टबिन रखाये जाने के साथ-साथ अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की निरंतर सुनिश्चितता बनाये रखने के लिए निर्देशित किया है।

काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ पर जिले में हुआ अमृत महोत्सव कार्यक्रम

शहीद स्मारक स्थलों पर देश के अमर बलिदानियों को दी गयी श्रद्धांजलि

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व शहीदों के परिजनों का हुआ सम्मान

प्रतापगढ़। जिले में समस्त शहीद स्मारकों/स्थलों पर काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ के अवसर पर सोमवार को आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनपद के पांच शहीद स्मारक स्थलों क्रमशः तहसील सदर अवस्थित जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, तहसील रानीगंज अवस्थित स्मारक स्थल कहला एवं नमकशायर, तहसील पट्टी अन्तर्गत रूरे तथा तहसील कुण्डा अन्तर्गत कालाकांकर में आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान प्रातःकाल 09 बजे से राष्ट्र भक्ति नारों के साथ शहीद स्मारक स्थल पर पहुॅचकर देश के अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) शत्रोहन वैश्य, उपजिलाधिकारी सदर मोहन लाल गुप्ता, नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका मुदित सिंह, सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह, सफाई प्रभारी प्रशांत सिंह, कर्नल एस0के0 सिंह ने जिला सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास कार्यालय में स्थापित शहीद स्मारक स्थल पर पहुॅचकर अमर शहीदों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शहीद स्मारक स्थलों पर दीप प्रज्जवलन किया गया एवं पुलिस बैण्ड द्वारा राष्ट्रधुन बजायी गयी। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के परिसर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों के परिजनों को जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारियों ने माल्यार्पण एवं अंगवस्त्रम् से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार शहीद स्मारक स्थल कहला एवं नमकशायर में उपजिलाधिकारी रानीगंज, खण्ड विकास आधिकारी व अन्य सम्बन्धित अधिकारियों ने, शहीद स्मारक स्थल रूरे में उपजिलाधिकारी पट्टी, कालाकांकर में उपजिलाधिकारी कुण्डा, पूर्व सांसद राजकुमारी रतन सिंह ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सभी शहीद स्मारक स्थलों पर सामूहिक रूप से वन्दे मातरम् का गायन किया गया एवं अमर शहीदों को याद किया गया।

पुलिस मुठभेड़ में दो शातिर लुटेरे अभियुक्त गिरफ्तार, घायल

अभियुक्त के कब्जे से तमंचा कारतूस, मोटरसाइकिल व नकदी बरामद

प्रतापगढ़। थाना क्षेत्र अंतू के चौकी प्रभारी किठावर उ0नि0 एहसानुलहक मय हमराही द्वारा रविवार की रात लगभग बारह बजे गश्त/चेकिंग की जा रही थी तभी दो लड़के पल्सर मोटर साइकिल से जा रहे थे जिन पर संदेह होने पर उन्हे रोकने का प्रयास किया गया लेकिन वे नहीं रूके। संदिग्ध प्रतीत होने पर उनका पीछा किया गया एवं सिंघनी पुल के पास घेराबंदी करके जब उन्हे पकड़ने का प्रयास किया गया तो उनके द्वारा पुलिस पार्टी पर फायर कर दिया गया। पुलिस द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की गई जिसमें भाग रहे व्यक्तियों में से एक घायल हो गया जिसके बांये पैर में गोली लगी है एवं दूसरा अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया।

पूछताछ में घायल व्यक्ति के द्वारा अपना नाम श्याम बहादुर वर्मा उर्फ राजाबली पुत्र कन्हैयालाल निवासी शनिचरा डेरवा थाना संग्रामपुर जनपद अमेठी बताया गया एवं मौके से फरार अपने साथी का नाम मो0 हुसैन पुत्र रमजान अली निवासी सिधौली का पुरवा थाना सांगीपुर जनपद प्रतापगढ़ बताया। घायल/गिरफ्तार व्यक्ति के कब्जे से एक तमंचा 315 बोर, एक जिन्दा, दो खोखा कारतूस व एक पल्सर मोटर साइकिल बरामद हुई है। घायल अभियुक्त को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। घायल/गिरफ्तार श्याम बहादुर वर्मा उपरोक्त के संबंध में जानकारी करने पर यह प्रकाश मे आया कि इसके विरूद्ध जनपद प्रतापगढ़ के थाना अंतू, कोतवाली नगर व थाना मांधाता पर अभियोग पंजीकृत हैं एवं इस पर थाना संग्रामपुर जनपद अमेठी में भी कई अभियोग पंजीकृत है। मौके से फरार आरोपी मो0 हुसैन उपरोक्त को पुलिस टीम द्वारा सर्च अभियान के दौरान घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया गया। इस सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि हम लोग आस-पास के क्षेत्रों में लूट/छिनैती आदि कर अपना खर्च चलाते हैं। बरामद मोटर साइकिल के बारे में अभियुक्त श्याम बहादुर वर्मा द्वारा बताया गया कि यह मोटर साइकिल मेरी है, इसे हम लोग लूट/छिनैती करने हेतु प्रयोग करते हैं। पुलिस टीम में उ0नि0 एहसानुलहक, उ0नि0 योगेन्द्र सिंह, उ0नि0 रोहित कुमार, मुख्य आरक्षी गोरेलाल पाण्डेय, आरक्षी विजय यादव, आरक्षी गौरव सिंह व आरक्षी रमेश चन्द्र थाना अन्तू शामिल रहे।

सावन के तीसरे सोमवार पर श्रद्धालुओं ने किया दर्शन पूजन

प्रतापगढ़। सावन के तीसरे सोमवार को दर्शन करने वालों की मंदिर पर भीड़ उमड़ी रही। बेल्हा देवी मंदिर पर सुबह से ही दर्शनाथिर्यों ने दर्शन पूजन किया। इस दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिये पुलिस व्यवस्था मुस्तैद रही। उधर प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में सावन के तीसरे सोमवार को श्रद्धालु भक्तों का आवागमन लगातार जारी रहा। पुलिस व कार्यकर्ताओं की उत्तम सुव्यवस्था के चलते भीड़ नही होने दी गई। बारी बारी से श्रद्धालु सोशल डिस्टनसिंग का ध्यान रखते हुए दर्शन पूजन करके जल्द लौट जा रहे थे। यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि धाम में सुबह चार बजे से ही भक्तों का आवागमन शुरू हो गया। पुलिस व कार्यकर्ताओं ने सात बजे से सभी व्यवस्थाओं पर अपनी निगाह

रखकर सभी को सुव्यवस्था प्रदान किये। थानाध्यक्ष रवींद्र त्रिपाठी के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी राज्याभिषेक मिश्र ने आवश्यक पुलिस बल, महिला पुलिस के द्वारा आवश्यक सहयोग व सुरक्षा की व्यवस्था की गई। जहां मुख्य मंदिर के पुजारी भोलानाथ तिवारी सहित सभी मंदिरों के पुजारी ने अपनी सक्रिय भूमिका निभाई वहीं महासचिव समाज शेखर ने पुलिस विभाग से मंगलवार को परम्परागत भीड़ के मद्देनजर आवश्यक पुलिस बल बढ़ाने का अनुरोध किया। इस अवसर पर कंट्रोल रूम से ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राम पूजन पटेल, संरक्षक मंडल से अशोक मिश्र पप्पू, प्रबन्ध समिति से मनीराम पटेल, कार्यालय प्रभारी कमलेश मिश्र, कार्यकर्ता, कार्यालय सहायक दुखी राम, लाल पांडेय, धोनू सिंह, रामू तिवारी, धोनू सिंह आदि ने अपनी भूमिका निभाई।

सिने स्टार प्रतिज्ञा के सज्जन अनुपम का हुआ निधन

बीमारी से जूझ रहे थे, अंतिम संस्कार में शामिल मुंबई रवाना हुआ परिवार

देर रात गोरेगांव अस्पताल में ली अंतिम सांस, फैन्स दुःखी

प्रतापगढ़। फ़िल्म और टेलीविजन उद्योग के मशहूर अभिनेता टीवी सीरियल के अहम किरदार ठाकुर सज्जन सिंह के रोल से सुखिर्यों में आने वाले अनुपम श्याम ओझा उर्फ कक्कू का रविवार की देर रात मुंबई के गोरेगांव के लाइव लाइफ अस्पताल में निधन हो गया। 63 वर्षीय अनुपम काफी समय से बीमार चल रहे थे। घर वाले और इष्टमित्र उन्हें प्यार से कक्कू पुकारते थे। उनके निधन से चाहने वालों की बड़ा दुःख पहुंचा है। लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। प्रतापगढ़ शहर में रेलवे स्टेशन रोड सहोदरपुर मोहल्ले के रहने वाले अनुपम श्याम पिछले साल से ही किडनी की समस्या से जूझ रहे थे। बीच में सुधार हुआ था। बताया जाता है कि शूट पर जाने लगे थे। डायलसिस पर थे। कल रात उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। निधन की खबर सुनते घर पर कोहराम मच गया। मोहल्ले वाले भी जग गये। देर रात तक लोगों का घर पर तांता लगा रहा। सोमवार को सुबह घर के सदस्य मुंबई के लिये निकल पड़े। ओझा के छोटे भाई कंचन दो दिन पहले गये थे। इनसे छोटे भाई अनुराग श्याम, अनुपम के साथ ही रहते है। गोरेगांव श्मशान घाट पर छोटे भाई अनुराग श्याम ओझा ने दोपहर अनुपम श्याम को मुखाग्नि दी। उधर फ़िल्म प्रोड्यूसर अशोक पंडित ने ट्वीट कर अनुपम श्याम के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने इसे फ़िल्म इंडस्ट्री की क्षति बताया है। निधन पर मंत्री मोती सिंह, कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी, सांसद संगम लाल गुप्ता, विधायक राजा भैया, एमएलसी गोपाल जी, विधायक धीरज ओझा,राजकुमार पाल, रोटरी क्लब सेंट्रल के उपाध्यक्ष अश्विनी केसरवानी, मुक्कू ओझा, कांग्रेसी ज्ञान प्रकाश शुक्ला, ओम प्रकाश पांडेय, गायक रवि, बृजेश सौरभ, निर्झर प्रतापगढ़ी, राजेश प्रतापगढ़ी, गुड्डू मिश्रा, बीबीएफजी समेत कई ने शोक व्यक्त किया है।

आस्कर विजेता फ़िल्म की थी

प्रतापगढ़। सिने स्टार अनुपम श्याम ने भारतीय फिल्मों के अलावा विदेशी फिल्मों में भी दमदार किरदार निभाया। आस्कर पुरस्कार विजेता रही स्लमडॉग मिलिनेयर में इन्होंने बच्चों को अंधा कर उनसे भीख मंगवाने वाला रोल किया था। इसके अलावा लिटिल बुद्धा, द वारियर और थ्रेड जैसी कई अन्य विदेशी फिल्मों में धाक जमाई थी। अलावा दुश्मन, लगान, लज्जा, पान सिंह तोमर और रक्तचरित्र जैसी लोकप्रिय भारतीय फिल्मों में दमदार किरदार निभाया। फूलन देवी पर बनी फिल्म बैंडिट क्वीन में इन्होंने डाकू घनश्याम बाबा का अहम किरदार कर किया था। टीवी सीरियल प्रतिज्ञा से इन्हें विशेष ख्याति मिली। इसमें इन्होंने ठाकुर सज्जन सिंह का किरदार निभाया था। जो घर घर चर्चित हो गया।

धान के खेत में मिला दो युवकों का शव, सनसनी

खुलासे के लिये एसपी ने गठित की पांच टीमें

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के सपहा छात गांव में धान के खेत में दो पड़ोसी युवकों का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस अधीक्षक और आसपुर देवसरा थाना अध्यक्ष पट्टी कोतवाल सहित कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के सपहा छात्र गांव में सुबह बजे एक धान के खेत में सपहा छात गांव रविंद्र गौतम पुत्र झुनावी राम (22) तथा शिव भोले पुत्र झुमरी (26) की लाश ग्रामीणों ने देखी तो सनसनी फैल गई। सूचना देने पर पुलिस पहुंची तो दोनों की लाश को कब्जे में ले लिया। दोनों शव पर चोट का निशान नहीं दिखा। गांव के रहने वाला रविंद्र तीन भाइयों में सबसे छोंटा था। वह गांव के चंदन तिवारी का ट्रैक्टर चलाकर खेत की जुताई करता था। गांव के पड़ोस में रहने वाला उसका मित्र शिव भोले से उसकी दोस्ती थी और दोनों का अक्सर आना-जाना लगा रहता था। परिजनों ने बताया कि रविवार की शाम पांच बजे शिव भोले रविंद्र के घर पहुंचा और काफी देर तक रुका रहा। शाम साढ़े. सात बजे किसी अज्ञात का फोन आया तो दोनों वहां से चल दि।ए उसके बाद दोनों का कोई पता नही चला। सुबह दस बजे दोनों की लाश घर से करीब सौ मीटर दूर धान के खेत में मिली। रविंद्र तीन भाइयों संतोष आशुतोष के बाद सबसे छोटा था उसकी शादी अभी नहीं हुई थी जबकि शिव भोले की शादी 5 साल पहले अर्चना से हुई थी। दोनों के दो बच्चे भी थे। शव मिलने के बाद गांव में सनसनी फैल गई। मौके पर पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल, एडिशनल आसपुर देवसरा एसओ नरेंद्र सिंह, एसओजी टीम तथा फॉरेंसिक टीम पहुंची। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामले के खुलासे के लिए पांच टीम गठित कर दी गई है जो जल्द ही मामले का खुलासा करेगी। उधर ग्रामीणों का कहना है कि आशनाई के चक्कर में दोनों युवकों की हत्या हुई होगी।

तेज बारिश से गाड़ी पर गिरा पेड़, हुआ जलभराव

प्रतापगढ़। सोमवार की दोपहर में हुई तेज बारिश से एक नीम का पेड़ सफारी गाड़ी पर गिर गया। इससे उसमें सवार लोग बाल-बाल बच गये। यह हादसा जेल रोड क्रासिंग स्थित जामा मस्जिद के पास हुआ। इससे वहां पर हड़कंप मच गया। किसी तरह से आवागमन को बहाल किया गया। उधर तेज बारिश से पूरे नगर में जलभराव हो गया। पल्टन बाजार, विवेक नगर, बलीपुर में घरों में बारिश का पानी घुस गया। जब बारिश बंद हुई तो घरों में घुसा पानी नालियों के सहारे निकला। तेज बारिश से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं जलभराव से लोगों को परेशानी का भी सामना करना पड़ा। नगर पालिका की टीम नालियों में इकट्ठा पालीथिन को हटाकर नालियों को चोक होने से बचाती देखी गई।

उत्पीड़न के खिलाफ मजदूर यूनियन का स्टेशन पर प्रदर्शन

एसएस ने धरने से किया किनारा, पत्र को बताया फेक

वरिष्ठ मंडलीय परिचालन प्रबंधक लखनऊ के खिलाफ की गई नारेबाजी

प्रतापगढ़। वरिष्ठ मंडलीय परिचालन प्रबंधक लखनऊ पर प्रतापगढ़ के स्टेशन अधीक्षक अनिल दुबे का मानसिक उत्पीड़न करने, आतंकित कर उन्हें नौकरी छोड़ने पर विवश होने का आरोप लगाते हुये सोमवार को उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन की शाखा प्रतापगढ़ ने धरना प्रदर्शन किया। नेताओं ने परिचालन अधिकारी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। यूनियन ने डीआरएम को संबोधित ज्ञापन वर्तमान एसएस को सौंपा। जिसमें सीनियर डीओएम के खिलाफ कार्यवाई की मांग की गई है। एसएस ऑफिस के सामने प्रदर्शन कर रहे नेताओं ने आरोप लगाया कि सीनियर डीओएम ने एसएस अनिल दुबे की आतंकी लहजे में डांटा। जिससे वे बीमार हो गये। शिक पर चले गये। वीआरएस भेज दिया। आरोप लगाया कि पूर्व एसएस त्रिभुवन मिश्रा को प्रताड़ित कर उनसे भी वीआरएस ले लिया गया। मंत्री धर्मेंद्र दुबे ने कहा कि यूनियन मांग करती है इस मामले की जांच कराकर अनिल दुबे की न्याय दिलाया जाय और सीनियर डीओएम के तानाशाही रवैये में बदलाव लाया जाय। अनिल मजदूर यूनियन प्रतापगढ़ के अध्यक्ष भी हैं। एसएस एसके यादव को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में अनिल की पतने अंजना दुबे की तरफ से सीनियर डीओएम के खिलाफ लिखा गया पत्र भी डीआरएम को भेजा गया है। इस संबंध में एसएस अनिल दुबे से पूछा गया तो उन्होंने इस धरने से अपने को अलग कर लिया। बोले उनसे इससे कोई लेना देना नहीं है। मेरी पतने द्वारा दिया गया शिकायती पत्र भी झूठा है। उन्होंने इस तरह का कोई पत्र नहीं दिया है।

अनिल दुबे ने अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

प्रतापगढ़। अपने ही यूनियन के नेताओं की कार्यशैली से दुःखी होकर मजदूर यूनियन के शाखा अध्यक्ष अनिल दुबे ने सोमवार दोपहर को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने बताया कि अपना इस्तीफा मंत्री धर्मेंद्र दुबे को भेज दिया है। कहा कि उनकी मंशा के विपरीत जाकर लोगों ने धरना प्रदर्शन किया है। जो उचित तरीका नहीं था। उनकी पत्नी द्वारा दिया गया पत्र भी फर्जी है।

बरसात में पट्टी नगर की सड़क बनी राहगीरों के लिए मुसीबत, दुर्घटना होने की संभावना बढ़ी

पट्टी, प्रतापगढ़। सड़को पर गड्ढे और बरसात में उसमें भरा पानी राहगीरों के लिए मुसीबत बन गया है। राहगीर आये दिन उसमें गिरकर जख्मी हो रहे है ऐसे में सरकार का सड़को के गड्ढामुक्त होने के दावे फेल होता नजर आ रहा है। पट्टी नगर में रायपुर रोड पर विवाह मंडप से मस्जिद तक सड़कों पर बने हुए गड्ढे राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब तो बने ही है लेकिन अर्चना हॉस्पिटल से चमक चौक तक तो सड़कें खस्ताहाल हो गई है। सड़कों पर बने हुए गड्ढे और बरसात में भरा हुआ पानी देखकर ही राहगीर दूर से ही अपने वाहन लेकर सड़क के किनारे इधर उधर से निकलना शुरू कर देते है जिससे दुर्घटना होने की संभावना बढ़ जाती है। रायपुर रोड पर पुराने अस्पताल रोड के पास तो गड्ढे इतने गहरे और चौड़े है कि पानी भर जाने के बाद राहगीर परेशान हो जाते है। भरोखन गांव के रहने वाले विवेक एक पखवाड़े हुई हुई बरसात में सड़क में बने गड्ढे में भरे पानी मे अपनी साइकिल से गिरकर जख्मी हो गए। आसपास के गांवों का तहसील मुख्यालय होने के कारण लोगो का आनाजाना हमेशा बना रहता है लेकिन इस सम्बंध में न तो विभाग कोई कदम उठा रहा है और न ही नगर पालिका के अधिकारी और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से भी इस संबंध में कई बार शिकायत की गई लेकिन सड़क की मरम्मत आज तक नहीं हो सकी इस संबंध में पट्टी ईओ से बात करने पर उन्होंने बताया कि सड़क लोक निर्माण विभाग द्वारा मरम्मत कराई जाएगी। नगर पंचायत का काम उक्त सड़क की मरम्मत का नहीं है।

जीआरपी ने किशोरी को तस्करों के चंगुल से छुड़ाया

अपहरण कर नई दिल्ली में बेचने के लिए ले जा रही महिला साथी के साथ गिरफ्तार

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ जीआरपी ने काशी विश्वनाथ ट्रेन से अपहरण कर ले जाई जा रही किशोरी को तस्करों के चंगुल से बचाया। बल्कि किशोरी को लेकर भाग रहे तस्कर गिरोह की महिला सदस्य और उसके साथी को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली है। किशोरी के परिजनों ने जीआरपी के कार्यों की प्रशंसा की है।पुलिस के अनुसार काशी विश्वनाथ 05127 ट्रेन से 15 साल की किशोरी को महिला द्वारा अपहरण कर ले जाने की सूचना कंट्रोल के माध्यम से जीआरपी को रविवार शाम को मिली थी। एसओ हरिनाथ यादव ने इस बारे में आरपीएफ को बताया। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम ने अमेठी स्टेशन पर किशोरी को बरामद कर लिया। एसओ हरिनाथ ने बताया कि केराकतपुर थाना लोहता जिला बनारस के नजरुल इस्लाम ने सूचना दिया था कि उनकी पुत्री शबनम 15 वर्ष का एक महिला अपहरण करके काशी ट्रेन से उसे नई दिल्ली में बेचने जा रही है। पुलिस ने शबनम को लेकर जा रही महिला सितारा बीबी पतने अमीनुद्दीन केराकतपुर लोहता, थाना लोहता बनारस उसके साथी मुमताज पुत्र अलाउद्दीन निवासी मौहरिया लोहता को अमेठी में गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि सितारा लड़कियों को बहला फुसलाकर भगा ले जाती है। बाद में उनकी तस्करी करती है। देहव्यापार में लिप्त बताई गई। शबनम जिस मोहल्ले की है। सितारा भी वही रहती है। उसने शबनम को वश में कर लिया था। एसओ के अनुसार परिजनों को फोन करके थाने पर बुलाया गया। उनके साथ आये लोहता थाने के उपनिरीक्षक सुशील पांडेय को शबनम की सुपुर्दगी दी गई। इस कार्यवाई में जीआरपी के अर्जुन प्रसाद, राजेश कुमार के अलावा आरपीएफ के लोग भी शामिल रहे।

बाढ़ ने मचाई तबाही, एक हजार बीघे की फसल डूबी

अखंड भारत संदेश

सीतामढ़ी। सोमवार को गंगा का जल स्तर 80 मीटर को पार गया है। बाढ़ में तटवर्ती इलाकों में एक हजार बीघे की फसल डूब चुकी है। गंगा का पानी खेतों को आगोश लेने के साथ ही गांवों में प्रवेश कर गया है। बाढ़ से सीतामढ़ी, सेमराध, रामपुर समेत कई गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। बाढ़ पीड़ित अपना आशियाना छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने लगे हैं।सीतामढ़ी क्षेत्र में लगी लगभग एक हजार बीघे की धान, अरहर व बाजरे की फसल गंगा में पूरी तरह से समा चुकी है। फसलों के डूबने से किसानों की चिंता भी बढ़ गई है। फसलों के नष्ट होने से किसानों के सामने परिवार का भरण पोषण करने का संकट भी खड़ा हो जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से अभी तक राहत

सामग्री का वितरण शुरू नहीं किया गया है। ऐसी स्थिति में बहुत से लोग दूसरों से मदद का इंतजार कर रहे हैं। जबकि बहुत से लोग अपने रिश्तेदारों के यहां शरण लेने को मजबूर हुए हैं। किसानों का कहना है कि गंगा का जलस्तर इसी रफ्तार से बढ़ता रहा तो कोनिया का पूरा क्षेत्र फसल विहीन हो जाएगा।

इस संबंध में तलवा डीघ गांव के किसान राकेश यादव, कृष्ण चंद यादव, अलोपी यादव, लवकुश यादव, ईश्वर चंद, कालीचरण, लालचंद, राजेंद्र यादव ,मसूरिया दीन, गिरधर यादव, परमा देवी, दुलारी देवी, कमला देवी, गोविंद यादव, सुभाष चंद्र यादव , चंद्रजीत, लवकुश, अनुज, नीरज, अशोक सहित कई किसानों की सैकड़ों बीघे अरहर, धान व बाजरा की फसलें गंगा में डूब गई हैं। इसी तरह इटहरा के गुड्डू तिवारी, सत्य प्रकाश तिवारी, कैलाश नाथ तिवारी ,देवता प्रसाद तिवारी, चंद्र बली प्रजापति, अकबाल बहादुर सिंह, मेवा मेवा प्रजापति, भगेडू सिंह, भैरोलाल , राजेंद्र, रामबहादुर, विजय बहादुर सिंह अवधेश सिंह सहित गांव के तमाम किसानों की फसलें गंगा के जल में समा चुकी हैं। इसके बाद इस क्षेत्र के दर्जनों किसानों से एसडीएम से मुआवजे की मांग की है। मुख्य रुप से इटहरा, तलवा, मनीपुर, सोनपुर, कलिक मवैया सहित कई गांवों के किसानों की पूरी फसल डूब गई है। प्रशासन ने गंगा में किसी भी बड़ी या छोटी नौका के संचालन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बावजूद जिला प्रशासन के आदेश की अनदेखी कर कुछ नाविक नौका का संचालन रामपुर घाट व आसपास के क्षेत्रों कर रहे हैं। गंगा में उफान के बावजूद नाविक लोगों को गंगा पार करा रहे हैं। जिलाधिकारी आर्यका अखौर व एसपी रामबदन सिंह बाढ़ का जायजा लेने के लिए सोमवार को रामपुर गंगा घाट पर पहुंचे। डीएम ने रामपुर घाट पर बाढ़ के संबंध में लोगों से जानकारी ली। इस दौरान डीएम ने कहा कि जिले के कुछ परिवार जो बाढ़ की चपेट में आए हैं उनके लिए एक विद्यालय में व्यवस्था रुकने की व्यवस्था करा दी गई है। विद्यालय में 50 की संख्या में कुछ लोगों को रखा भी गया हैं।

बढ़ती महंगाई बेरोजगारी महिला सुरक्षा के मुद्दे पर कांग्रेसजनों ने भाजपा गद्दी छोड़ो नारे के साथ निकाला पैदल मार्च

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज भदोही। जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा जिले के विभिनन नगरों में भाजपा गद्दी छोड़ो नारे के साथ पैदल मार्च निकालकर सट्टा शासन के विरोध में नारेबाजी की। सोमवार को कांग्रेस जनों द्वारा भारी संख्या में खाली सिलेंडर के साथ थालीपीठ ते हुए अपना विरोध जताया। नगर के राजमार्ग सदर मोहाल, गल्ला मंडी, खरहट्टी मोहाल, पश्चिम मोहाल होते हुए पुनः कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर समापन हुआ। भाजपा गद्दी छोडो का पैदल मार्च कर जनता को नारे के माध्यम से बढी महंगाई को लेकर जनता तक आवाज पहुंचया। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष माबूद खा ने मिडिया से बात करते हुए कहा की भाजपा सरकार का करनी व कथनी मे अन्तर है। पेट्रोल 100के पार तो सरसो तेल 150 के पार पहुंच गया है जबकि घरेलू गैस सिलेंडर 900 के पार पहुंच गया है। और उनके प्रदेश अध्यक्ष व्दारा एक मिडिया चैनल मे कहा गया की महंगाई कहा है, प्रदेश मे इससे बडा गरीबों का मजाक और क्या बनाया जा सकता है। महंगाई इतना चरम पर पहुंच गया है की गरीबों के थाली से दाल गायब हो गया है । त्यौहारों पर भी अब लोगो के थाली से पुडी सब्जी, मिठाई गायब होने लगे है। प्रधानमंत्री व्दारा गरीबों को जो उज्जवला योजना के अन्तर्गत जो गैस सिलेंडर दिया गया है, वह अब गरीबों के घरों मे शोपीस बन कर रह गया है। फिर से गरीब के घरों मे लकडि़याँ जलने लगी है। इस दौरान भारी संख्या में सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस फोर्स लगी रही। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राजेश दुबे, संतोष सिंह बघेल, परवेज हाशमी सहित भारी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

शादी के 6 माह बाद सड़क हादसे में सिपाही की मौत, मचा कोहराम

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिले में उत्तर प्रदेश पुलिस के एक सिपाही की सड़क हादसे में मौत हो गई है। पुलिस के मुताबिक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार सिपाही को टक्कर मार दी। हादसे में सिपाही की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक सिपाही झांसी जनपद का रहने वाला था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर, मृतक के घर में मौत की खबर लगते ही

कोहराम मचा हुआ है। बता दें कि 2019 बैच के सिपाही देवेंद्र यादव भदोही जनपद की औराई कोतवाली में तैनात थे। वह मूलरूप से झांसी जिले के निवासी थे। सोमवार को ड्यूटी के सिलसिले में वह औराई कोतवाली से बुलेट से पुलिस लाइन जा रहे थे। जहां ज्ञानपुर कोतवाली क्षेत्र के सिंहपुर के पास तेज रफ्तार कार ने सिपाही की बुलेट में टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल सिपाही को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान ही उसकी मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह सहित पुलिस क्षेत्राधिकारी व कोतवाल मौके पर पहुंच गए थे।

रंगीलो सावन महोत्सव का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

भदोही। जनपद के खमरिया में सेवा एवम सांस्कृतिक माह के अंतर्गत भारत विकास परिषद भदोही शाखा द्वारा एक बहुत ही सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम रंगीलो सावन महोत्सव का आयोजन रविवार 8 अगस्त 2021 देर रात को गीता वाटिका घोसिया मे किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद एवम मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण एवम दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। तत्पश्चात गणेश वंदना पर एक मनमोहक नृत्य प्रितीशा बरनवाल ने किया । रंगीलो सावन आयो सुरंगो सावन आयो नामक गीत पर परिषद की भाभीयो निरूपमा गुप्ता,कुसुम बरनवाल, रिषु बरनवाल, आकांक्षा बरनवाल, रेखा बरनवाल, शीला बरनवाल, बबीता बरनवाल, प्रतिमा बरनवाल, अनिन्का बरनवाल,चंद्रा कोठारी, मंजूला बरनवाल, सोनिया बरनवाल द्वारा एक सुंदर नृत्य और

कजरी गीत का प्रस्तुतीकरण किया गया। महोत्सव का सबसे आकर्षक कार्यक्रम हरियाली क्वीन कॉन्टेस्ट था जिसमे महिलाओ ने हरा वस्त्र एवम हरा श्रृंगार कर के मंच पर अपना प्रस्तुतीकरण दिया।।हरियाली क्वीन का खिताब चंद्रा कोठारी एवम ममता बरनवाल के नाम रहा। इसके अलावा गेम, अन्ताक्षरी ,आदि कार्यक्रम से महोत्सव को सजाया गया । परिषद के वरिष्ठ एवम सम्मानित सदस्यगण जिनके शादी का 50 साल पूर्ण हो चुका उन्हे मंच पर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन परिषद सचिव प्रतिमा बरनवाल एवम महिला संयोजिका शीला बरनवाल ने किया। इस अवसर रवि जायसवाल सुमन अगिन्होत्री एवम अमर नाथ अगिन्होत्री,संगठन मंत्री अनिल को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। हरियाली तीज महोत्सव में पुरूषों की प्रतियोगिता मे कुन्दन प्रसाद बरनवाल ने जीत हासिल किया । इस अवसर पर प्रांतीय रिजनल दायित्वधारी रवि जायसवाल, सुमन अगिन्होत्री एवम अमर नाथ अगिन्होत्री,संगठन मंत्री अनिल को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। टेंडर हार्ट्स स्कूल की प्रबंधक कीर्तन बरनवाल को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष अनिल बरनवाल,कोषाध्यक्ष पंकज बरनवाल ,हरगोविन्द पाण्डेय,रामप्रकाश बरनवाल,शाखा संरक्षक श्रीलाल कोठारी समेत शाखा के सम्मानित सदस्यो की उपस्थिती रही।

गोमटी में सेंध लगाकर हजारों की चोरी

भदोही। जनपद के सुरियावां नगर के बाईपास चौराहे पर रविवार की रात्रि में चोरों ने पान एवं गुटके की गोमटी में सेंध लगाकर हजारों रुपए का सामान उठा ले गए। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम कुशौड़ा निवासी विकास दुबे प्रतिदिन की भांति गोमती बंद करके घर चले गए थे। सुबह दुका खोला तो देखा कि पीछे से गोमती में से लगा हुआ है जिस जगह से लगाया गया उसी जगह गल्ला का बॉक्स रखा हुआ था।

घरेलू गैस सिलेंडर में घटतौली की शिकायत पर छापेमारी

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। गैस उपभोक्ताओं को कम वजन के सिलेंडरों की डिलीवरी की आपूर्ति की शिकायत बराबर खाद्य आपूर्ति विभाग को मिल रही थी। दिन रविवार को जोगीनका निवासी पिंटू सिंह ने वक्त पर घरेलू सिलेंडर से गैस निकालने की सूचना खाद्य एवं आपूर्ति विभाग व पुलिस को दे दी। मौके पर खाद्य आपूर्ति विभाग और पुलिस ने छापा मारकर जी टी रोड पर गैस एजेंसी के डिलीवरीमैन को दबोच लिया। डिलीवरीमैन सिलेंडर से गैस चोरी कर दूसरे सिलेंडर में डालता था। आपूर्ति विभाग ने कोतवाली ले जाकर वजन कराया तो सिलेंडर में चार से पांच किलो तक वजन कम पाए गए। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए एजेंसी के ही सुपुर्दगी में सिलेंडर को देकर आवश्यक कार्यवाही में जुट गई।जखांव ग्रामीण इंडेन गैस एजेंसी के विरुद्ध कार्यवाही की गई।बताया जाता है की ट्राली चालक बीच रास्ते में ही इस तरह का कार्य करता था।

पीड़ितों ने धमकाया खून का बदला खून

फर्जी मुकदमे में फंसने व जान की डर से अपने घर को छोड़कर भटकने को मजबूर है कुनबा परिवार

हत्या के मामले में पांच सदस्य है जेल में बाहर महिलाएं नही है सुरक्षित

अखंड भारत संदेश

उतरांव। उतरांव क्षेत्र के बारो गांव में रास्ते को विवाद को लेकर 15 अगस्त 2020 में मारपीट हुई थी जिसमे एक पक्ष से निहाल कि मौत हो गई थी।वही दोनों पक्षों को मारपीट में चोटें आई थी। पुलिस ने एक पक्ष से हत्या समेत कई अन्य संगीन धाराओं में रफीक सफीक नफीस आमिर इरफान नसरीन परवीन पर केस दर्ज कर जेल भेज दिया था।वही काफी दिन बाद नसरीन उर्फ बबली व परवीन जमानत पर छूटकर घर आई तो विपक्षियों द्वारा आए दिन जान से मारने की धमकी व मारपीट पर आमादा रहते थे।वही उनके डर से पीड़ित कुनबा परिवार

सवरा जलालपुर में एक वर्ष से रहता है। आरोप है कि घर पर कोई सदस्य न होने से महिलाएं कचहरी में तारीख देखने व कोई अन्य कायी से जाती है तो विपक्षियों द्वारा जान से मारने की तथा फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जाती है।आरोप है कि विपक्षियों द्वारा कई बार मारने का भी प्रयास किया गया।हत्यारोपी के घर पर रखा सामान तोड़ फोड़ दिया गया है। डरी सहमी महिलाएं इनके डर से एसएसपी प्रयागराज मुख्यमंत्री आई जी थानाध्यक्ष को लिखित प्रार्थना पत्र देकर अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई है। पीड़ित नसरीन व परवीन का कहना है कि विपक्ष द्वारा कभी भी हम लोगों हत्या कराई जा सकती हैं।वही विपक्षियों के भय से कुनबा परिवार 1 वर्षों से दर-दर भटक रहा है।आज भी हत्या में नामजद पांच आरोपी नैनी जेल काट रहे हैं। फिर हाल विपक्षियों द्वारा किया जा रहा प्रताड़ना जांच का विषय है।थानाध्यक्ष का कहना है कि इस मामले में सभी नामजद आरोपी जेल जा चुके हैं महिलाओ को प्रताड़ित करने वालो पर जांच कर कार्यवाही की जाएगी।महिलाओं ने मुख्यमंत्री से अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई है।

स्वर्गीय मेजर नारायन दत्त शर्मा के जन्मदिन पर मनाया वॉलीबॉल दिवस

अखंड भारत संदेश

करछना। स्वर्गीय मेजर नारायन दत्त शर्मा के जन्म दिन के अवसर पर विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी उत्तर प्रदेश बॉलीवाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे कुल 8 टीमों ने भाग लिया।जिसमें सेमीफाइनल क्रमशः देव स्पोर्टिंग एकेडमीएवम मेजा क्लब तथा शिवाजी क्लब एवम पुलिस लाइन प्रयागराज के बीच मे हुआ।जिसमें फाइनल मैच पुलिस लाइन प्रयागराज एवम मेजा क्लब के बीच सम्पनन हुआ ।जिसमें बारिश के कारण दोनों टीमों को संयुक्त रूप से विजेता घोषित किया गया।उक्त कार्यक्रम का समापन श्री प्रमोद कुमार राय अध्यक्ष शिवा जी खेलकूद समिति के कर कमलों से हुआ।इस कार्यक्रम में आयोजन सचिव श्री आनंद शर्मा ,मनोज राय, दमन सिंह, शशिभूषण सिंह, कमलाकर पांडेय, राजन शर्मा, नितिन मिश्रा, दिवाकर पांडेय,सुनील पांडेय एवम अन्य खिलाड़ियों का विशेष योगदान रहा।

कंजासा के दर्जनों घरों में घुसा बाढ़ का पानी बस्ती के बीच चलने लगी नाव, मची खलबली

छतो पर जलने लगे चूल्हे, नावो पर गृहस्थी का सामान

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। उफनाई यमुना कंजासा गांव में कहर बरपाना शुरु कर दिया है। सोमवार की सुबह बाढ़ का पानी घरों में घुसना शुरु कर दिया। तो लोगों में अफरतफरी मच गई। लोग घरों का सामान लेकर सुरक्षित स्थानों पर भागने लगे।बस्ती के रास्तों में इस कदर पानी भर गया कि नाव चलने लगी। लोग घर छोड़ पलायन करना शुरु कर दिए हैं। कंजासा गांव यमुना बाढ़ की चपेट में आ

गया है। रविवार की रात बाढ़ का पानी बस्ती के रास्तों को अपने आगोश में ले लिया। गौशाला सहित भूसैल उप्पल के ढ़ेर जलमगन हो गए किसी तरह लोग मवेशियों को बचा सुरक्षित स्थानों पर ले जाने में सफल रहे। सोमवार सुबह होते होते दो दर्जन से अधिक घर बाढ़ के पानी से घिर गए। और देखते ही देखते घरों के अंदर बाढ़ का पानी घुसने लगा तो अफरातफरी मच गई। लोग नाव पर गृहस्थी का सामान रख सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने लगे। प्रधान दिनेश निषाद भी बाढ़ से ग्रसित गृहस्वामियों के दरवाजे पर जा जाकर व्यवस्था कराने में लगे रहे। हालांकि प्रशासन द्वारा बाढ़ राहत आश्रालमय बनाया गया है। लेकिन अभी तक लोग वहां पर शरण नही लिए है। आसपास परिचितों के यहां ही शरणागत है।

छतो पर जलने लगे चूल्हे, नावो पर गृहस्थी का सामान

कंजासा में दो दर्जन से अधिक घरों में बाढ़ का पानी भर जाने से अधिकतर परिवार सोमवार के दिन छतो पर चूल्हे जला भोजन बनाएं और कुछ लोग जहां गृहस्थी का सामान बाहर सुरक्षित स्थान पर ले गए तो वहीं कुछ लोग नाव पर गृहस्थी का सामान सुरक्षित रखें।

नाव के सहारे बचाएं मवेशी और बच्चो को

बाढ़ के पानी बस्ती और घरों में घुसने के बाद बाढ़ मे फंसे मवेशियों और बच्चों को मशक्कत कर ग्रामीणों ने नाव के सहारे बच्चो और मवेशियों और गृहस्थी का सामान दिन भर सुरक्षित स्थानों पर ले जाने में लगे रहे।

उपनिरीक्षक हरिश्चन्द्र शर्मा को सिरसा पुलिस चौकी की कमान सौपी गई

सिरसा/मेजा। प्रयागराज एसएसपी प्रयागराज सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने उपनिरीक्षक हरिश्चन्द्र शर्मा को मेजा थाना के अन्तगर्त सिरसा पुलिस चौकी के प्रभारी की कमान सौपी है। बता दें कि माह भर पहले सिरसा पुलिस चौकी प्रभारी राजकुमार साहू के स्थानांतरण के बाद उक्त पुलिस चौकी का कार्यभार मेजा थाने के दरोगा जितेंद्र कुमार राजपूत देखते थे। वहीं सोमवार को पुलिस कप्तान सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी ने उपनिरीक्षक हरिश्चन्द्र शर्मा को सिरसा पुलिस चौकी की कमान सौपी है।

बैंक के बाहर से चोरों ने उड़ा दी बाइक

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। घूरपुर बाज़ार स्थित भारतीय स्टेट बैंक के बाहर खड़ी एक बाइक को चोरों ने उड़ा दी। करमा निवासी चंदन सोमवार के दिन घूरपुर बाज़ार स्थित एसबीआई में किसी काम से आया था। बैंक के बाहर बाईक खड़ी कर अंदर गया और कुछ देर बाद बाहर निकला तो बाईक गायब थी। आसपास खोजबीन के बाद भी पता नहीं चलने पर थाने में लिखित शिकायती पत्र दिया।

सुजावन देव मंदिर के मुख्य गेट तक पहुंचा बाढ़ का पानी पट बंद श्रद्धालु अब नहीं कर पाएंगे दर्शन

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। देवरिया भीटा स्थित पौराणिक आस्था के केंद्र यमुना धारा के पहाड़ी पर स्थित सुजावन देव मंदिर के मुख्य गेट तक सोमवार के दिन बाढ़ का पानी पहुंचने और तेज लहर की वज़ह से नाव पर सवार होकर पहुंचने वाले श्रद्धालुओ के लिए ख़तरा देखते हुए एस ओ राजेश उपाध्याय के निर्देश पर मंदिर के मुख्य पुजारी ज्ञानेंद्र गोस्वामी ने मंदिर का पट बंद कर दिया। अब श्रद्धालु सुजावन देव मंदिर स्थित शिव भगवान का दर्शन बाढ़ तक नहीं कर सकेंगे।

सम्पादकीय

मैरिटल रेप की अनदेखी

आखिर देश के कानूनों को मैरिटल रेप की अनदेखी करने की छूट कब तक मिली रहेगी। आंकड़े बताते हैं कि देश में शादी के अनुभव से गुजरने वाली 15 से 49 साल के बीच की हर तीन में से एक महिला पति के द्वारा हिंसा का शिकार होने की बात कहती है। केरल हाईकोर्ट का हाल में दिया गया यह फैसला बेहद अहम है कि मैरिटल रेप तलाक का मजबूत आधार बनता है। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने तलाक की इजाजत दिए जाने के निचली अदालत के आदेश को खारिज करने की पति की अपील नामंजूर कर दी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में साफ-साफ कहा कि देश का कानून भले वैवाहिक संबंधों में होने वाले बलात्कार को अपराध नहीं मानता, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोर्ट पति के ऐसे व्यवहार की क्रूरता को तलाक का आधार नहीं बता सकता। भारतीय समाज के एक बड़े हिस्से में आज भी पतनी के शरीर पर पति का हक माना जाता है। इसी कथित हक के बिना पर लोग अक्सर मान लेते हैं कि उन्हें पतनी के साथ उसकी मर्जी के बगैर भी सेक्स करने का अधिकार है। हाईकोर्ट ने बिल्कुल ठीक कहा कि आधुनिक सामाजिक न्यायशास्त्र में पति और पतनी को समान हैसियत का पार्टनर माना जाता है और पति किसी भी रूप में पतनी पर अपनी मर्जी थोपना अपना अधिकार नहीं मान सकता। कोर्ट ने एक और महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि समय आ गया है जब शादी और तलाक जैसे मामलों को सेकुलर कानूनों के दायरे में लाना चाहिए। लोग चाहें तो पर्सनल कानूनों के तहत शादी जरूर करें लेकिन उन्हें सेकुलर कानूनों के तहत स्थापित वैवाहिक दायित्वों का निर्वाह करने की अनिवार्यता से छूट नहीं दी जा सकती।

इसी संदर्भ में यह सवाल भी उठता है कि आखिर देश के कानूनों को मैरिटल रेप की अनदेखी करने की छूट कब तक मिली रहेगी। आंकड़े बताते हैं कि देश में शादी के अनुभव से गुजरने वाली 15 से 49 साल के बीच की हर तीन में से एक महिला पति के द्वारा हिंसा का शिकार होने की बात कहती है। दुनिया में सिर्फ 36 देश ऐसे हैं, जहां मैरिटल रेप को कानूनन अपराध नहीं माना जाता। भारत के कानून अंग्रेजों के बनाए हुए बताए जाते हैं, लेकिन ब्रिटेन में भी तीन दशक पहले यह तय हो चुका है कि पति द्वारा पतनी का रेप करना अपराध है। हालांकि अपने देश में यह आशंका निराधार नहीं है कि ऐसा कानूनी प्रावधान हो जाए तो इसका बड़े पैमाने पर दुरुपयोग शुरू हो सकता है। लेकिन संभावित दुरुपयोग को रोकने की व्यवस्था कानून में ही कुछ विशेष प्रावधान जोड़कर की जा सकती है। ऐसे मामलों में गिरफ्तारी को कठिन बनाया जा सकता है। पहले इस मान्यता को कानूनी तौर पर स्थापित तो किया जाए कि शादी हो जाने का मतलब यह नहीं है कि एक को दूसरे के साथ जबर्दस्ती करने का लाइसेंस मिल गया है। कानून का यह दायित्व है कि वह वैवाहिक रिश्ते में होते हुए भी पीडि.त पक्ष को संरक्षण दे। उसे इस जिम्मेदारी से महज इस आधार पर मुक्त नहीं किया जा सकता कि भारत में शादी को जन्म-जन्मांतर का रिश्ता माना जाता है।

टोक्यो हमारे ओलिंपिक इतिहास का बेहतरीन पल

एम वेंकैया नायडू

तोक्यो ओलिंपिक भारत के लिए क्या शानदार उपलब्धि रही! भाला फेंक प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ी नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक की बदौलत, 13 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद देश का गौरव, हमारा तिरंगा, शान से ओलिंपिक स्टेडियम में फहराया गया। उन्होंने आजाद भारत के लिए ऐथलेटिक्स प्रतियोगिता का पहला ओलिंपिक स्वर्ण पदक जीता और क्या शान से जीता! 2008 में अभिनव बिंद्रा के बाद यह ओलिंपिक की एकल प्रतियोगिताओं में केवल दूसरा स्वर्ण पदक है।पिछले 24 ओलिंपिक खेलों में देश ने भाग लिया और उनमें निराशाजनक प्रदर्शन के बाद तोक्यो में भारत ने दुनिया को दिखाया कि 'हां, हम भी कुछ करके दिखा सकते हैं।' नया महत्वाकांक्षी भारत हर चार साल में और अधिक से अधिक पदकों की अपेक्षा करता रहा है, लेकिन हर बार निराशा ही हाथ लगती थी। तोक्यो ने अतीत की इस निराशा को तोड़ा है। सिर्फ पदकों की संख्या की दृष्टि से ही नहीं बल्कि हमारे कितने ही खिलाड़ी अपने जज्बे, अपने कौशल के कारण, प्रतियोगिता में पदक जीतने के नजदीक तक पहुंच गए।एक उपनिवेश के रूप में भारत ने पहली बार 1900 के पैरिस ओलिंपिक में हिस्सा लिया था और दो पदक भी जीते। 2 से 3 पदक तक पहुंचने में 108 वर्ष लगे और 2012 में लंदन ओलिंपिक में इसे 6 तक ले जाने के लिए 4 साल और इंतजार करना पड़ा। पिछले रियो ओलिंपिक तक, 24 ओलिंपिक खेलों में भारत कुल 27 पदक ही जीत सका था। स्वाभाविक था कि हर चार साल में ओलिंपिक में असफलता के साथ भारत का विश्वास टूटता था। खासकर जब आर्थिक रूप से हमारे बराबर के अन्य देश, तेजी से मेडल मंच की तरफ बढ़ते जाते थे। रियो में भारतीय दल में 118 खिलाड़ी शामिल थे। उनमें से लगभग 20 ही क्वॉर्टर फाइनल या उससे आगे तक पहुंच सके। तोक्यो में 120 में से 55 क्वॉर्टर फाइनल या उससे आगे तक गए। हमारे खिलाडि.यों ने जिन 18 खेलों में भाग लिया, उनमें से 10 में क्वॉर्टर फाइनल या उससे आगे तक पहुंच सके। इनमें से 5 ने तो स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लिया, 43 ने हॉकी सहित सेमीफाइनल की चार प्रतिस्पर्धाओं में हिस्सा लिया और 7 ने 3 खेलों के क्वॉर्टर फाइनल में भाग लिया।

स्वर्ण पदक के साथ कुल 7 पदक जीत कर, हमारे खिलाड़ी 2012 के लंदन ओलिंपिक से आगे बढ़े। हमारे खिलाडि.यों, हमारे ऐथलीटों ने जिस जुझारू जज्बे का प्रदर्शन किया है, उसने पदकों के भूखे भारतीयों का दिल जीत लिया। नीरज चोपड़ा पहले प्रयास में जेवलिन के क्वॉलिफाइंग प्रतियोगिता में सबसे शिखर स्थान पर रहे, जो शुभ संकेत था। कमलप्रीत कौर ने डिस्कस थ्रो के लिए दूसरे स्थान पर रहकर क्वॉलिफाई किया। 39 वर्षीय अनुभवी खिलाड़ी अचंत शरत कमल टेबल टेनिस के क्वॉर्टर फाइनल में स्वर्ण पदक विजेता मा लॉन्ग से हार तो गए, लेकिन उन्होंने एक गेम जीता अवश्य। महिला टेबल टेनिस के प्री-क्वॉर्टर फाइनल में मोनिका बत्रा का खेल सराहनीय रहा। कुश्ती में बजरंग पुनिया और रवि दहिया ने हर राउंड में बेहतरीन प्रदर्शन किया और बाजी पलटकर अगले राउंड में प्रवेश किया। भारत ने ओलिंपिक में तलवारबाजी में पहली बार

भाग लिया था और भवानी देवी ने पहला राउंड जीता भी। गोल्फ में अदिति अशोक तो आखिर तक टिकी रहीं। वह बहुत ही कम अंतर से कांस्य पदक से दूर रह गईं। पुरुषों की 4□400 मीटर रिले दौड़ में नया एशियाई रेकॉर्ड कायम किया गया, जबकि पुरुषों की 800 मीटर दौड़ और लंबी कूद में नए राष्ट्रीय रेकॉर्ड बने। खिलाडि.यों का यह नया जज्बा देखकर भारतीयों के चेहरे नई आशा से खिल उठे हैं। अगर तीरंदाजी और निशानेबाजी में भी हमारे खिलाडि.यों ने आशा के अनुरूप प्रदर्शन किया होता तो हमारी पदक संख्या कहीं बेहतर होती। ओलिंपिक में खिलाडि.यों पर बहुत दबाव होता है। अगर पदक जीत सकने वाले प्रतिभाशाली खिलाडि.यों को हम, इस स्तर पर पड़ने वाले दबावों के बीच अपना बेहतरीन खेल प्रदर्शन कर सकने का प्रशिक्षण दे सकें, तो हम कई और पदक जीत सकते हैं।लेकिन वह तोक्यो हॉकी प्रतिस्पर्धा का 'चक दे' क्षण ही था, जिसने भारतीयों की टूटती आशाओं में फिर से प्राण फूंक दिए। 8 ओलिंपिक स्वर्ण पदकों का गौरवशाली अतीत और इस खेल के लिए देशवासियों का प्यार, राष्ट्र की अस्मिता से जुड़ा है। पिछले 41 वर्षों में इस खेल में पदक न जीत सकने के कारण देश का आत्मविश्वास और आत्मगौरव आहत हुए थे। आत्मविश्वास और गौरव के बिना, किसी भी देश से किसी भी क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद नहीं की जा सकती। महिला और पुरुष दोनों टीमों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, सही समय पर कठिन परिस्थितियों में उभर कर आगे आईं। उनके खेल ने इस राष्ट्रीय खेल और उससे जुड़े राष्ट्रीय गौरव को पुनर्जीवित कर दिया है। भले ही हमारे देशवासियों के दिमाग में क्रिकेट हो, लेकिन हमारे दिलों पर तो हॉकी ही राज करती है। यही 'चक दे' भावना तोक्यो खेलों को हमारे लिए विशेष बनाती है।तोक्यो ने भविष्य के लिए हमारे आगे के मिशन को दिशा दी है। 4 स्वर्ण पदकों के साथ भारत पदक तालिका के पहले 20 देशों में आ सकता था। अगर और 4 जीते होते तो पहले 10 देशों में। तोक्यो में हमारे प्रदर्शन को देखते हुए ऐसा कर पाना बिलकुल संभव है। 2015 से ही भारत सरकार द्वारा खेल प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए सार्थक प्रयास किए गए हैं, उनके परिणाम तोक्यो में दिखाई भी पड़े। यह मिशन तभी सफल हो सकता है, जब हम देश भर में खेलों की संस्कृति को बढ़ावा दें, उसको संरक्षण दें, भविष्य के अपने प्रतिभाशाली खिलाडि.यों को जरूरी पेशेवर और तकनीकी सुविधा और सहायता उपलब्ध कराएं। केंद्र सरकार ने इस दिशा में सही सार्थक कदम उठाना शुरू भी कर दिया है। तोक्यो 121 वर्ष के हमारे ओलिंपिक इतिहास का सबसे बेहतरीन पल है, जिसने यह साबित कर दिया है कि 'हां भारत कर सकता है'। 'थोड़ा और तेज, थोड़ा और ऊंचा, थोड़ा और शक्तिशाली होना', प्रमुख खेल शक्तियों की श्रेणी में आने के लिए बस यही एक कुंजी है। समय है कि हम स्थिर, एकाग्र होकर 2024 में अगले ओलिंपिक खेलों पर ध्यान केंद्रित करें और 140 करोड़ भारतवासियों की प्रार्थनाएं सुफल हों।

अध्यात्म और पर्यावरण एक दूसरे के पूरक हैं

अभिषेक

भारतीय संस्कृति में पर्यावरण,अध्यात्म,धर्म और दर्शन का बहुत बडा महत्व है।हिंदु धर्म के पवित्र ग्रंथ श्रीमद्भगवतगीता में वर्णित है अपने बैकुठ धाम जाने से पूर्व भगवान श्रीकृष्ण दिव्य पीपल वृक्ष के नीचे बैठकर ध्यान में लीन हुए।भगवान बुद्ध और महावीर को भी एक वृक्ष के नीचे बैठकर ध्यान लगाने से उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।वैदिक काल से असंख्य ऋषियों और मुनियों ने भी किसी ना किसी वृक्ष के नीचे तपकर ज्ञान अर्जित किया था।हिन्दू में माना जाता है वृक्ष में भी आत्मा का वास होता है।वृक्ष अति संवेदनशील होते हैं,प्रत्येक वृक्ष का गहराई से विश्लेषण करके हमारे ऋषियों ने यह जाना पीपल और वट वृक्ष सभी वृक्षों में सबसे विशेष है।इनके धरती पर होने से ही धरती के पर्यावरण की रक्षा होती है।यही सब जानकर ही उन्होंने उक्त वृक्षों के संवरक्षण और इससे मनुष्य के द्वारा लाभ प्राप्ति के हेतु कुछ विधान बनाए गए उन्ही में से दो है पूजा और परिक्रमा।भारतीय धर्म अनुसार वृक्ष आपकी अध्यात्मिक विकास में सहायक होते है।उनकी ऊर्जा के साथ आपकी ऊर्जा जुड़कर आपकी साधना की सभी बाधाएं दूर हो जाती हैं।हिन्दू, जैन और बौद्ध धर्म में पूजनीय माने जाने वाले प्रत्येक देवी और देवता से एक वृक्ष, एक पशु या एक पक्षी जुड़ा हुआ है।यहां तक की ग्रह और नक्षत्र भी जुड़े हुए हैं।हिंदू धर्म में जब भी कोई मांगलिक कार्य होते हैं तो घर अथवा पूजा स्थल के द्वार व दीवारों पर आम के पत्तों की लडि.यां लगाकर मांगलिक उत्सव के माहौल को धार्मिक और वातावरण को शुद्ध किया जाता है।अक्सर धार्मिक पांडाल और मंडपों में सजावट के लिए आम के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है।हिंदू धर्म में बरगद को वटवृक्ष माना जाता है तथा सावत्री नामक एक त्योहार पूरी तरह से वट वृक्ष को ही समर्पित है।अध्यात्म और पर्यावरण का परस्पर एक गहरा संबध अनादिकाल से चला आ रहा है।

115 साल के मुनियप्पा दो-दो महामारियों को ऐसे हराया है

सुनीता राव

करीब दो हफ्ते पहले की बात है। कर्नाटक के कोलार में जी. मुनियप्पा के परिवार में दहशत का माहौल था। घर के सबसे बुजुर्ग सदस्य 115 साल के मुनियप्पा अचानक बीमार पड़ गए। उन्हें बुखार आया था और सांसें तेज चलने लगीं। परिवार वाले उन्हें लेकर तुरंत एक स्थानीय अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में टेस्ट हुआ और मुनियप्पा कोरोना पॉजिटिव पाए गए। 22 जुलाई को उन्हें बेंगलुरु के सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया। मुनियप्पा के नाते-रिश्तेदार, परिचित हॉस्पिटल के बाहर उनकी खैरियत पूछने लगे। एक दिन में ही मुनियप्पा की स्थिति में सुधार होने लगा। मुनियप्पा के भतीजे ने बताया कि पांच दिनों बाद डॉक्टरों ने उन्हें होम आइसोलेशन के लिए भेज दिया। मुनियप्पा कोविड से उबरने वाले कर्नाटक के सबसे बुजुर्ग लोगों में से हैं। उनका जन्म साल 1906 में होसकोटे के पास रामसांद्रा में हुआ था। उन्होंने अब तक वैक्सीन नहीं लगवाई है। 115 साल की उम्र में भी पूरी तरह स्वस्थ हैं वह। उन्होंने बताया, 'मुझे स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या नहीं है। भगवान

की कृपा से मैं पूरी तरह ठीक हूं। पहले की तरह मैं हर दिन बाइबल पढ़ सकता हूं।' मुनियप्पा जवानी के दिनों को याद करते हुए बताते हैं कि 20 सदी की शुरुआत में देश पर स्पेनिश फ्लू महामारी ने हमला बोला था। फ्लू के डर से लोग तीन-चार महीनों के लिए गांव छोड़कर चले गए थे। सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में कार्डियोलॉजी के हेड और प्रफेसर डॉ. वर्गीज ने 2014 में मुनियप्पा की एंजियोप्लास्टी की थी। वह कहते हैं, 'मुनियप्पा शायद राज्य के सबसे उम्रदराज शख्स हैं, जो कोरोना से ठीक हो गए।' उन्होंने बताया कि एक बड़ी आबादी को कोरोना का हल्का संक्रमण होता है। मुनियप्पा को भी हल्का इंफेक्शन था, इसलिए उन्हें आईसीयू में एडमिट करने की जरूरत नहीं पड़ी। उन्हें डायबिटीज नहीं है, लेकिन वह खून पतला करने और कोलेस्ट्रॉल कम करने की दवाएं लेते हैं। संक्रमण के दौरान उन्हें बुखार आया था और यूरेनरी इंफेक्शन हो गया था। कोविड वॉर्ड में मुनियप्पा के आसपास परिवार के लोग नहीं थे उनकी देखभाल या बातें करने के लिए, न उनके बच्चे थे और न नाती-पोते। मुनियप्पा बहुत अकेलापन महसूस कर रहे थे और बेचैन थे कि कब उन्हें घर जाने दिया जाएगा। मुनियप्पा के बेटे कृष्णप्पा के मुताबिक, उन्होंने अपने पिता को कोविड संक्रमण के बारे में नहीं बताया था। 'उन्होंने कोरोना के बारे में बहुत कुछ सुन रखा था, लेकिन जब उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई तो हमने इस बारे में नहीं बताया। हम नहीं चाहते थे कि वह चिंतित हों या डरें।' कृष्णप्पा बताना नहीं भूलते कि चार साल पहले तक उनके पिता खुद साइकल चलाकर अपने खेतों तक जाते थे।एक किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले मुनियप्पा के 6 बच्चे हैं। उनकी पतनी नजम्मा की उम्र है 100 बरस। परिवार के कई और लोगों को भी लंबी आयु का आशीर्वाद प्राप्त है। मुनियप्पा के पिता की उम्र 95 और मां की उम्र 85 साल थी। परिवार के लोगों ने बताया कि मुनियप्पा के बड़े भाई थे 110 बरस के। आधार कार्ड में मुनियप्पा की जन्मतिथि 1906 लिखवाई गई है। जब वह अपनी उम्र के चौथे दशक में थे, तब उनकी शादी हुई।डॉ. वर्गीज ने बताया कि बीमार पड़ने या सांस लेने में तकलीफ होने पर बहुत से मरीज हॉस्पिटल आने में घबराते हैं। उन्हें डर लगता है कि कहीं कोविड न निकल आए। दूसरी ओर, मुनियप्पा सही वक्त पर अस्पताल पहुंचे। डॉ. वर्गीज कहते हैं, 'स्वस्थ जीवनशैली और बेहतर स्वास्थ्य ने मुनियप्पा को महामारी से उबरने में मदद की।' मुनियप्पा को सबसे अधिक बस इसी बात ने परेशान किया कि कोविड वार्ड में उनके घर वाले नहीं आ सकते थे। वहां बिल्कुल अलग-थलग महसूस कर रहे थे वह। यहीं 2015 में उनकी एक आंख की सर्जरी भी हुई थी। मुनियप्पा को कोरोना कैसे हुआ, इस बारे में किसी को जानकारी नहीं। उनकी बेटी मंजुला बताती हैं कि उनके पिता को मास्क पहनने में कोई दिक्कत नहीं है।

मेडिकल कोर्स में ओबीसी आरक्षण पर मोदी सरकार का रुख संदिग्ध

प्रकाश करात

यह राज्यों के अधिकार पर एक गंभीर हमला है कि यह निर्धारित करने के लिए कि उनके राज्यों में ओबीसी कौन हैं। हालांकि मोदी सरकार ने कहा है कि संवैधानिक संशोधन राज्यों को उनके अधिकारों से वंचित करने के लिए नहीं था, लेकिन इसने नुकसान को कम करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। इसके लिए पहले के गलत कदम को सुधारने के लिए संविधान में संशोधन की आवश्यकता थी। मोदी सरकार द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण और वर्तमान शैक्षणिक वर्ष से सनतक और सनतकोत्तर चिकित्सा और दंत चिकित्सा पाठ्यक्रमों के लिए अखिल भारतीय कोटे में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने की घोषणा की सराहना की जा रही है। ओबीसी के कल्याण के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता के उदाहरण के रूप में भाजपा और उसके समर्थकों द्वारा प्रशंसा की जा रही है। प्रधानमंत्री ने सरकार के इस फैसले को 'ऐतिहासिक फैसला' बताया है। हालांकि, इस मामले में सरकार का रिकॉर्ड कुछ और ही कहता है। वास्तव में, सरकार को कार्रवाई करने के लिए मजबूर किया गया था, क्योंकि मद्रास उच्च न्यायालय ने अवमानना कार्रवाई की चेतावनी दी थी क्योंकि केंद्र सरकार जुलाई 2020 में दिए गए अपने पहले के फैसले पर कार्रवाई करने में विफल रही थी। तथ्य इस प्रकार हैंः सुप्रीम कोर्ट ने 2016 में सभी मेडिकल कॉलेजों (एनईईटी) में प्रवेश के लिए एकल प्रवेश परीक्षा का आदेश दिया था। एनईईटी के माध्यम से किए गए प्रवेश के भीतर, सनतक सीटों की 15 प्रतिशत और सनतकोत्तर सीटों की 50 प्रतिशत सीटों को सरेंडर कर दिया गया था। राज्यों को अखिल भारतीय कोटे की इन सीटों को एक केंद्रीय सूची के माध्यम से भरा गया था। इससे पहले 2007 में सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि अखिल भारतीय कोटे के तहत अनुसूचित जाति के लिए 15 फीसदी और अनुसूचित जनजाति के लिए 7.5 फीसदी आरक्षण दिया जाए। हालांकि, अखिल भारतीय कोटे के तहत सीटों में ओबीसी आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं था। यह यूपीए सरकार के दौरान 2007 में केंद्रीय शैक्षणिक संस्थानों में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण प्रदान करने वाले केंद्रीय कानून के बावजूद है।इसलिए, केंद्रीय दायरे में आने वाले अखिल भारतीय कोटे में ओबीसी

आरक्षण प्रदान नहीं करना भेदभावपूर्ण था। हालांकि, नीट की शुरुआत के बाद से, मोदी सरकार ने मेडिकल और डेंटल कॉलेज की सीटों के लिए अखिल भारतीय कोटे में ओबीसी आरक्षण प्रदान करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। द्रमुक और सीपीआई (एम) सहित तमिलनाडु के अन्य प्रमुख राजनीतिक दलों ने सुप्रीम कोर्ट में जाकर मांग की थी कि तमिलनाडु द्वारा अखिल भारतीय कोटे में आत्मसमर्पण की गई सीटों में ओबीसी के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को लेने से इनकार कर दिया था और कहा था कि इस पर हाईकोर्ट सुनवाई कर सकता है। इसलिए इन पक्षों ने मद्रास उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। उच्च न्यायालय ने जुलाई 2020 में, ओबीसी आरक्षण की वैधता को बरकरार रखा और केंद्र को इस शैक्षणिक वर्ष से कोटा के तौर-तरीकों को तय करने का निर्देश दिया। हालांकि, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने इस साल की योजना में ओबीसी आरक्षण का प्रावधान नहीं किया। द्रमुक ने इस संबंध में मद्रास उच्च न्यायालय में एक अवमानना याचिका दायर की और उच्च न्यायालय ने 19 जुलाई को कहा कि 'संघ का प्रयास शैक्षणिक वर्ष 2021 में राज्य में अखिल भारतीय कोटा सीटों के संबंध में ओबीसी आरक्षण कोटा लागू नहीं करने का है और इस अदालत द्वारा पारित 27 जुलाई, 2020 के आदेश का अपमान करने वाला प्रतीत होता है। अदालत की इस टिप्पणी के बाद अदालत की अवमानना के आरोपों का सामना कर रही केंद्र को अखिल भारतीय कोटे में ओबीसी आरक्षण की घोषणा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। ाेबीसी आरक्षण के मुद्दे पर मोदी सरकार के उदासीन और पक्षपातपूर्ण रवैये को एक अन्य संबंधित मुद्दे में भी प्रदर्शित किया जा सकता है। मोदी सरकार ने अगस्त 2018 में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान करने के लिए संसद में एक संवैधानिक संशोधन पारित किया था। इसने ऐसे खंड पेश किए जिनके द्वारा एक वर्ग को सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग के रूप में अधिसूचित करने की शक्ति निहित थी। उस समय संसद में विपक्षी सदस्यों ने बताया था कि इससे ओबीसी की पहचान करने के राज्यों के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। लेकिन सरकार ने इन आपत्तियों को खारिज कर दिया। तब तक, केंद्र सरकार राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के माध्यम से केंद्रीय सूची के लिए ओबीसी की पहचान कर रही थी, जबकि राज्य सरकारें राज्य पिछड़ा वर्ग आयोगों के माध्यम से राज्य सूची के लिए यह काम कर रही थीं। इस संशोधन के संबंध में एक मामले की सुनवाई कर रहे सुप्रीम कोर्ट ने इस साल मई में, 102वें संविधान संशोधन की व्याख्या राष्ट्रपति, यानी केंद्र सरकार के पास एकमात्र अधिकार के रूप में की है, जो यह सूचित करने के लिए है कि ओबीसी कौन हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले में कहा गया है कि इस संशोधन द्वारा राज्यों को इस शक्ति से वंचित कर दिया गया है। वे केवल राष्ट्रपति या राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को सुझाव दे सकते हैं। यह राज्यों के अधिकार पर एक गंभीर हमला है कि यह निर्धारित करने के लिए कि उनके राज्यों में ओबीसी कौन हैं। हालांकि मोदी सरकार ने कहा है कि संवैधानिक संशोधन राज्यों को उनके अधिकारों से वंचित करने के लिए नहीं था, लेकिन इसने नुकसान को कम करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। इसके लिए पहले के गलत कदम को सुधारने के लिए संविधान में संशोधन की आवश्यकता थी। ऐसा करने के बजाय, मोदी सरकार सुप्रीम कोर्ट में एक समीक्षा याचिका के लिए गई, जिसे खारिज कर दिया गया। मोदी सरकार को बहाल करने के लिए सीधे संविधान संशोधन लाना चाहिए था। हालांकि, समय बर्बाद करने के बाद, कैबिनेट ने अब सत्र के बीच में एक संवैधानिक संशोधन पेश करने का फैसला किया है। सरकार की पहले की विचारहीन कार्रवाई जिसके परिणामस्वरूप राज्यों के एक महत्वपूर्ण अधिकार से वंचित किया गया था, को तुरंत ठीक करने की आवश्यकता है।

अफगानिस्तान में शान्ति बहाली कब?

प्रभुनाथ शुक्ला

दुनिया में लगता है शांति संभव नहीं है। ग्लोबल स्तर पर युद्ध की अशांति फैली हुई है। बुद्ध का रास्ता कहीं नहीं दिख रहा है। शक्तिशाली स्थितियां निर्बल को कमजोर बना रही हैं। दुनिया की सारी शक्तियां कुछ देशों के साथ सिमट कर रह गई हैं। संयुक्त राष्ट्रसंघ जैसी संस्थाएं बेमतलब साबित हो रहे हैं। भारत के पड़ोसी मुल्क अफगानिस्तान में अशांति फैली है। तालिबान की वजह से लोग शरणार्थी शिविरों में रहने को बाध्य हैं। हजारों की संख्या में रोज पलायन हो रहा है। तालिबान निर्दोष लोगों का कत्लेआम कर रहा है। जिसमें सेना, शिक्षाविद, पत्रकार, साहित्यकार और दूसरे तमाम लोग शामिल है। हजारों निर्दोष जंग में शहीद हो चुके हैं। अफगानिस्तान जैसा एक संप्रभु मुल्क अशांत है। दुनिया शांत होकर इस युद्ध को देख रहीं है। फिलीस्तीन और इजरायल की तरह युद्ध में बेगुनाह और बेजुवान लोग मारे जा रहे हैं। मानवीय अधिकारों का खुला हनन हो रहा है। तालिबान दुनिया के शक्तिशाली देशों को चुनौती दे रहा है। जबकि तालिबानी जिहादियों को भारत का पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान खाद-पानी दे रहा है। अफगानिस्तान में कब शांति लौटेगी अपने आप में यह बड़ा सवाल है। गुटों में विभाजित वैश्विक शक्तियां जानबूझकर इस खेल पर मौन हैं।

अफगानिस्तान में बिगड़ती स्थितियों को लेकर रूस ने इस पर चिंता जाहिर की है। शुभ संकेत मिले हैं कि इस मसले पर अमेरिका, चीन और रूस के साथ पाकिस्तान की एक बैठक कतर में होनी है। जिसमें अफगानिस्तान की स्थिति पर विचार किया जाएगा। हालांकि इस बैठक में भारत को शामिल नहीं किया गया है। क्योंकि रूस की निगाह में तालिबान पर भारत का कोई असर नहीं है। इस बैठक में उन्हीं देशों को शामिल किया गया है जो दक्षिण एशिया के देशों पर अपना-अपना प्रभाव रखते हैं। हालांकि अफगानिस्तान के कई इलाकों पर तालिबानी लड़ाकों द्वारा लगातार कब्जा किया जा रहा है। समझौते में अगर कोई हल निकलता भी जाता है तो इसके बावजूद भी अफगानिस्तान के लिए मुश्किल होगी। क्योंकि तालिबान जितनी जमीन पर अपना कब्जा जमा लेगा उसे वह छोड़ना नहीं चाहेगा। जिसकी वजह से अफगानिस्तान और तालिबान के बीच संबंधों में हमेशा तनाव बना रहेगा। पाकिस्तान में तालिबान आतंकियों को खुलेआम मिलिट्री ट्रेनिंग दी जा रही है। यह बात चीन, रूस और अमेरिका को अच्छी तरह मालूम है। लेकिन इसके बावजूद भी तीनों महाशक्तियों ने चुप्पी साध रखी है। क्योंकि वह चाहती हैं कि दक्षिण एशिया में अशांति का माहौल बना रहे। पाकिस्तान आतंक की नर्सरी तैयार करता रहे। कश्मीर में पाकिस्तान की सह पर आतंकवाद फलता-फूलता रहे। अफगानिस्तान में तालिबान अपना काम करता रहे। अगर दक्षिण एशिया में शांति रहेगी तो फिर महाशक्तियों को कौन पूछेगा। कैसे अमेरिका, रूस, फ्रांस और चीन का सैन्य कारोबार चलेगा। उनकी पाण्डुब्बियां, युद्धपोत, रडार, युद्धक विमान और आणविक हथियार कौन खरीदेगा। अपनी दादागिरी कायम करने के लिए विश्व की शक्तियां शान्ति का कभी समर्थन नहीं करना चाहती हैं।अफगानिस्तान में तालिबान की जड़ें जितनी मजबूत होगी भारत के लिए उतना खतरा बढ़ेगा। अफगानिस्तान भारत का समर्थक रहा है। भारत अफगानिस्तान में पुनर्निर्माण के लिए कई बिलियन डालर का निवेश किया है। अफगानिस्तान में भारत की सक्रियता तालिबान को नहीं पचती। पाकिस्तान का आका चीन भी भारत के इस सहयोग से जलता है। क्योंकि पाकिस्तान में उसकी दाल गल जाती है, लेकिन अफगानिस्तान में उसकी एक भी नहीं चलती। अफगानिस्तान अमेरिका और भारत के साथ अच्छे संबंध रखना चाहता है। जिसकी वजह से पाकिस्तान और तालिबानियों को मिर्ची लगती है। तालिबान हमेशा से भारत का दुश्मन रहा है। वह कट्टर इस्लामिक संस्कृति का समर्थक है। जबकि सभ्य इस्लामिक मुल्क इसकी इजाजत नहीं देते, जिसकी वजह से वह अलग-थलग पड़ जाता है। शांति के प्रतीक भगवान बुद्ध की अनगिनत मूतिर्यों को तालिबान ढहा चुका है। अफगानिस्तान में तालिबान अगर मजबूत हो गया तो चीन पाकिस्तान की मदद से भारत को अस्थिर करने का जाल बुनेगा। क्योंकि दक्षिण एशिया में चीन सिर्फ भारत से डरता है। हाल के दिनों में नेपाल से भी भारत के संबंध अच्छे नहीं रहे हैं। वहां चीन की दखलअंदाजी बढ़ी है। जिसकी वजह से यह भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा है। दक्षिणी अफगानिस्तान के हेलमंद राज्य के लश्कर गाह और कंधार के जिलों में तालिबानी और अफगानिस्तान के सैन्यबलों के बीचघमासान मचा है।

टोक्यो में इतिहास रचकर भारत लौटे गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा, सेल्फी लेने के लिए लगी होड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक 2020 में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचने वाले नीरज चोपड़ा भारत लौट चुके हैं। एयरपोर्ट पर नीरज का जोरदार स्वागत हुआ और उनके साथ एक फोटो खींचवाने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। नीरज ने एथलेटिक्स में 100 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए देश को गोल्ड मेडल दिलाया। भारत के इस एथलीट की कामयाबी पर पूरा देश गर्व कर रहा है और एयरपोर्ट पर भी उनकी जमकर जय-जयकार हुई। नीरज ओलंपिक खेलों में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतने वाले महज दूसरे ही खिलाड़ी हैं। उनसे पहले साल 2008 में अभिनव बिंद्रा ने निशानेबाजी के खेल में गोल्ड पर निशाना लगाया था। भारत का ओलंपिक में यह अबतक का सबसे शानदार प्रदर्शन रहा और देश ने एक गोल्ड, दो सिल्वर और चार ब्रॉन्ज के साथ कुल 7 मेडल जीते। नीरज ने अपने फाइनल मुकाबले के दूसरे प्रयास में 87.58 मीटर का थ्रो फेंका था और गोल्ड मेडल पर कब्जा किया था। देश के लिए दूसरा गोल्ड जीतने पर नीरज पर जमकर धनवर्षा भी हुई। नीरज ने इससे पहले क्वालीफाइंग राउंड में भी अपने प्रदर्शन से सनसनी फैला दी थी। उन्होंने टॉप पर रहते हुए पहले ही प्रयास में 86.65 मीटर का थ्रो फेंका था और 83.65 के क्वालीफिकेशन लेवल को आसानी से पार कर लिया था। नीरज इससे पहले एशियाई खेलों, कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियाई चैंपियनशिप में भी गोल्ड मेडल अपने नाम कर चुके हैं और यही वजह है कि पूरा देश की निगाहें उनके ऊपर टिकी हुईं थीं।भारत को ओलंपिक 2020 में पहला मेडल वेटलिफ्टिंग में मीराबाई चानू ने दिलाया था। मणिपुर के इस खिलाड़ी ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था। इसके बाद पीवी सिंधु ने बैडमिंटन, लवलीना बोरगोहेन ने बॉक्सिंग में देश को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था।

टोक्यो ओलंपिक से घर पहुंची भारती एथलीट पर टूटा गमों का पहाड़, आते ही मिली बहन के निधन की खबर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की एथलीट धनलक्ष्मी सेकर पिछले दिनों टोक्यो ओलंपिक 2020 में देश का प्रतिनिधित्व करने गईं थीं। लेकिन जब लक्ष्मी वहां से लौट कर घर पहुंची, उनपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। उन्हें घर पहुंचते ही खबर मिली कि उनकी बहन की मौत हो गई है, ये खबर सुनते ही लक्ष्मी पूरी तरह से टूट गईं और सड़क पर ही फूट-फूट कर रो पड़ीं। दरअसल धनलक्ष्मी टोक्यो ओलंपिक में रिजर्व खिलाड़ी के रूप में गईं थीं। लक्ष्मी 4.400 रिले रेस में भाग ले रहीं एथलीट सुभा वेंकटरमन की रिजर्व खिलाड़ी थीं। जब वे अपने घर तिरूचीपल्ली पहुंची तो उनका शानदार स्वागत हुआ। उसी दौरान उन्हें पता चला कि उनकी बहन की बीमारी के बाद निधन हो गया है। उनके परिजनों ने उनसे ये खबर इसलिए छिपा कर रखी क्योंकि उनका खेल प्रभावित ना हो।

गल्फ बेस्ड बिजनेसमैन ने किया ऐलान- श्रीजेश को देगा 1 करोड़ का इनाम

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। गल्फ देशों में रहने वाले एक भारतीय मूल के बिजनेसमैन ने टोक्यो ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली भारतीय मेंस हॉकी टीम के गोलकीपर पीआर श्रीजेश को 1 करोड़ रुपये इनाम देने की घोषणा की है। भारतीय मेंस हॉकी टीम ने 41 साल बाद ओलंपिक में कोई मेडल अपने नाम किया है और भारत की इस जीत में गोलकीपर श्रीजेश का बड़ा हाथ रहा। ब्रॉन्ज मेडल के लिए खेले गए मैच में भारतीय मेंस हॉकी टीम ने जर्मनी को 5-4 से हराया था। आखिरी पलों में जर्मनी को पेनल्टी कॉर्नर मिला था, जिस पर उनके पास बराबरी का गोल दागने का मौका था, लेकिन श्रीजेश ने शानदार सेव कर भारत को यह ऐतिहासिक जीत दिलाई। वीपीएस हेल्थकेयर के चेयरमैन और मैनजिंग डायरेक्टर डॉ. शमशीर वायालिल ने कहा, 'हम उनके योगदान की सराहना करते हैं और हमें उनके लिए 1 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा करते हुए प्रसनन्ता हो रही है।' भारतीय मेंस और विमेंस हॉकी टीमें टोक्यो से आज शाम 5:15 बजे दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड करेंगीं। भारत एक गोल्ड, दो सिल्वर और चार ब्रॉन्ज मेडल के साथ प्वॉइंट टेबल में 48वें नंबर पर रहा। ओलंपिक खेलों में यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है। इससे पहले लंदन ओलंपिक में भारत ने कुल छह मेडल (दो सिल्वर और चार ब्रॉन्ज) जीते थे। भारत की ओर से जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया, जो एथलेटिक्स में भारत की ओर से पहला ओलंपिक मेडल भी है। भारत के लिए वेटलिफ्टर मीराबाई चानू और रेसलर रवि दहिया ने सिल्वर मेडल जीते जबकि मेंस हॉकी टीम, रेसलर बजरंग पूनिया, बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और महिला बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए।

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ हुई टोक्यो ओलंपिक की क्लोजिंग सेरेमनी, बजरंग पूनिया ने लहराया तिरंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोविड-19 वायरस और निकट आ रहे तूफान के बीच असाधारण टोक्यो ओलंपिक खेलों का रविवार को रोशनी के फव्वारों के बीच समापन हो गया जिसमें उम्मीद और दृढ़ता का अभूतपूर्व प्रदर्शन दिखा। जापान की राजधानी में इतिहास के सबसे विशिष्ट खेलों का समापन शानदार आतिशबाजी के साथ हुआ जिसमें नृत्य, गायन और खुशियां मनाना शामिल रहा। कोविड-19 महामारी के दौरान जान गंवाने वालों को याद करते हुए आगे बढ़ने के संदेश के साथ ओलंपिक ध्वज पेरिस को सौंपा गया जहां अगले ओलंपिक खेल तीन साल बाद आयोजित किए जाएंगे। ग्लोबल स्वास्थ्य संकट के कारण एक साल देरी, बढ़ती लागत और आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों की विभाजित राय के बीच टोक्यो ओलंपिक तमाम चुनौतियों को पार करते हुए समापन समारोह तक पहुंचे। इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने ओलंपिक खेलों का औपचारिक समापन करने के बाद कहा, 'एथलीट तेजी से आगे बढ़े और मजबूत हुए क्योंकि वे सभी एकजुट होकर खड़े थे। आप लोगों ने हमें खेलों के इस एकीकृत प्रतीक से प्रेरित किया। आपने महामारी में जिन परिस्थितियों का सामना किया, ये खेल इसलिए भी ज्यादा उल्लेखनीय थे।' बाक के बिना खेलों का आयोजन मुमकिन नहीं हो पाता, उन्होंने कहा, 'महामारी के बाद पहली बार दुनिया एकजुट हुई। लोग भावनाओं से जुड़े थे, वे खुशी और प्रेरणा के पलों को साझा कर रहे थे। इससे हमें उम्मीद मिलती है, यह हमें भविष्य में भरोसा देता है। '

उन्होंने कहा, 'टोक्यो में ओलंपिक खेल 'उम्मीद, एकजुटता और शांति के ओलंपिक खेल थे। आप जापानी लोगों ने जो हासिल किया है, उस पर आप बेहद गर्व कर सकते हो। सभी खिलाड.ियों की ओर से हम आपको कहते हैं 'शुक्रिया टोक्यो, शुक्रिया जापान।' जापान का ध्वज 68,000 दर्शकों की क्षमता वाले नेशनल स्टेडियम में फहराया गया जिसमें कोविड-19 महामारी के कारण दर्शकों की कमी थी। इसके बाद दुनिया भर के खिलाड.ियों, गणमान्य व्यक्तियों और अधिकारियों के सामने समारोह शुरू हुआ। खिलाड.ियों ने स्टेडियम में प्रवेश किया और मंच के चारों ओर एक घेरा बनाया। उद्घाटन समारोह में जहां खिलाड़ी 'फॉर्मल पोशाक पहने थे तो वहीं समापन समारोह उनके लिए लुत्फ उठाने और 'रिलैक्स होने का मौका था। काफी बड़ी संख्या में खिलाड़ी पहुंचे और वे अपने मोबाइल फोन से इस क्षण को कैद कर रहे थे। कुछ ध्वज फहरा रहे थे तो कुछ टोक्यो की उमस भरी शाम में पसीना पोछ रहे थे। समापन समारोह की थीम 'वर्ल्ड वी शेयर थी जिसमें रौशनी से लेकर संगीत के शो, आतिशबाजियां और स्टंट शामिल थे। ओलंपिक मशाल बुझाने से पहले पहली बार अगले मेजबान देश का राष्ट्रगान दिखाया गया जिसे मेजबान शहर में एक फिल्म के तौर पर फिल्माया गया। पहली बार ही समापन समारोह में अगले मेजबान देश से लाइव और शानदार जशन दिखाया गया, जिसमें पेरिस और फ्रांस 33वें ओलंपिक के मेजबान की भूमिका को अपनाता दिखा। इसमें संगीतकार छह विभिनन स्थानों से परफोर्म कर रहे थे जिन्होंने पिछले कुछ महीनों में दुनिया के अनुभव को उजागर किया। इसमें संदेश था, ''हम दूर हैं, हम एक साथ होकर एक साथ खेल सकते हैं। टोक्यो के गर्वनर यूरिको कोइके ने ओलंपिक ध्वज बाक को सौंपा जिन्होंने इसे पेरिस की मेयर एने हिडाल्गो के सुपुर्द किया।

नहीं रहे भारत के पूर्व फुटबॉलर कृष्णाजी राव,एआईआईएफ ने जताया शोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व मिडफील्डर और कोच कृष्णाजी राव का रविवार को बेंगलुरु में निधन हो गया। उन्होंने 1966 में बैंकॉक में एशियाई खेलों में सीनियर टीम में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। 1967 में रंगून (अब यांगून) में एशियाई कप क्वालीफायर और 1968 में कुआलालंपुर में मडेर्का कप में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था, जिसमें उन्होंने कुल चार मैच खेले। उन्होंने 2000 में इंग्लैंड के दौरे के दौरान भारतीय टीम के सहायक कोच के रूप में भी काम किया। इस दौरे के साथ-साथ वह 2001 में मडेर्का कप, प्री-वर्ल्ड कप और सहारा मिलेनियम कप में टीम के तकनीकी निदेशक थे।अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने महासंघ की ओर से कृष्णाजी राव के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा, यह सुनकर वाकई बहुत दुख हुआ कि राव अब हमारे बीच नहीं रहे। भारतीय फुटबॉल में उनका अमूल्य योगदान हमेशा हमारे साथ रहेगा। मैं उनके निधन पर दुख व्यक्त करता हूं। एआईएफएफ के महासचिव कुशल दास ने कहा, राव एक असाधारण मिडफील्डर थे, जिन्होंने घरेलू और इंटरनेशनल लेवल पर बड़ी सफलता हासिल की और एक कोच के रूप में भारतीय फुटबॉल की भी सेवा की। उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदना। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। उल्लेखनीय है कि दिवंगत कृष्णाजी राव ने घरेलू स्तर पर कई मौकों पर संतोष ट्रॉफी में मैसूर का प्रतिनिधित्व किया और कप्तानी भी की। इस दौरान उन्होंने 1967 और 1968 लगातार दो साल में जीत हासिल की। वह बेंगलुरु में सीआईएल के लिए भी खेले और बाद में कनार्टक के लिए तकनीकी निदेशक और 1990 के दशक में बेंगलुरु में एचएएल के लिए मुख्य कोच के रूप में काम किया।

डराता है लॉर्ड्स के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ भारत का शर्मनाक रिकॉर्ड, 1932 से लेकर अबतक मिली है सिर्फ दो जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रेंट ब्रिज के मैदान पर बारिश ने अंग्रेजों की लाज बचा ली और भारत और इंग्लैंड के बीच खेला गया पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा। पांच मैचों की सीरीज का अगला मैच अब क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स में खेला जाना है। लॉर्ड्स के मैदान को तेज गेंदबाजों के लिए स्वर्ग माना जाता है और हवा में लहराती हुई गेंदें बल्लेबाजों को जमकर तंग करती हैं। भले ही टीम इंडिया इस बार जबरदस्त पेस अटैक के साथ इंग्लैंड पहुंची हो, लेकिन लॉर्ड्स के मैदान पर इंग्लिश टीम के खिलाफ भारत का खराब रिकॉर्ड जरूर सोचने पर मजबूर करता है। टीम इंडिया टेस्ट क्रिकेट में पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में 1932 में उतरी थी और तब से लेकर साल 2018 के बीच में भारतीय टीम महज 2 ही जीत दर्ज कर सकी है।

भारत ने लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर अबतक अंग्रेजों के खिलाफ कुल मिलाकर 18 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें से टीम को सिर्फ 2 में ही जीत हासिल हुई है, जबकि 12 मैचों में टीम ने हार का सामना किया है। वहीं, 4 मैच ड्रॉ पर खत्म हुए हैं। साल 2018 में विराट कोहली की अगुवाई में जब टीम इंडिया लॉर्ड्स के मैदान पर उतरी थी तो इंग्लैंड ने भारत को बुरी तरह से रौंदा था और टेस्ट मैच को एक पारी और 159 रनों से अपने नाम किया था। इंग्लिश तेज गेंदबाजो के आगे भारतीय बैटिंग ऑर्डर दोनों ही पारियों में ताश के पत्तों की तरह बिखर गया था और बहुत मुश्किल से टीम 100 के आंकड़े को पार कर सकी थी। इंग्लैंड के दो अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड ने उस टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजों को दिन में तारे दिखा दिए थे। टीम इंडिया ने लॉर्ड्स के मैदान पर आखिरी टेस्ट मैच साल 2014 में जीता था और उस जीत की कहानी भुवनेश्वर कुमार और ईशांत शर्मा ने मिलकर लिखी थी। भुवनेश्वर ने टेस्ट की पहली पारी में जहां छह विकेट अपने नाम किए थे, वहीं दूसरी इनिंग में ईशांत ने कहर बरपाते हुए अकेले ही इंग्लिश टीम के सात बल्लेबाजों को चलता किया था। भारत ने यह टेस्ट मैच 95 रनों से जीता था। 1986 के बाद भारत को लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ जीत नसीब हुई थी। यानी अगर आंकड़ों की मानें तो इंग्लैंड के इस ऐतिहासिक मैदान पर तेज गेंदबाजों की तूती बोलती है और अगर भारत को लॉर्ड्स में तिरंगा लहराना है तो टीम के पेस अटैक को अपना जौहर दिखाना होगा। इसके साथ ही स्विंग के उस्ताद जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड की जोड़ी खिलाफ भारतीय बल्लेबाज कितनी देर टिककर खेल पाएंगे इस पर भी टीम की जीत निर्भर करेगी।

हॉकी टीम पहुंची दिल्ली, 'भारत माता की जय' के नारों से गूंजा एयरपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक में इतिहास रचने के बाद भारतीय मेंस और विमेंस हॉकी टीम स्वदेश लौट आई है। भारतीय मेंस हॉकी टीम ने ब्रॉन्ज मेडल जीता, जबकि विमेंस टीम चौथे नंबर पर रही। भारत की दोनों हॉकी टीमें जैसे ही दिल्ली पहुंचीं, 'भारत माता की जय' के नारों से पूरा इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट गूंज उठा। भारतीय मेंस हॉकी टीम ने 41 साल ओलंपिक में मेडल जीता है, जबकि भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने शानदार खेल से करोड़ों देशवासियों का दिल जीत लिया। एयरपोर्ट पर हॉकी खिलाड.ियों की एक झलक पाने के लिए भीड़ उमड़ी हुई थी। भारत के लिए टोक्यो ओलंपिक काफी यादगार रहा। भारत एक गोल्ड, दो सिल्वर और चार ब्रॉन्ज मेडल के साथ प्वॉइंट टेबल में 48वें नंबर पर रहा। ओलंपिक खेलों में यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है। इससे पहले लंदन ओलंपिक में भारत ने कुल छह मेडल (दो सिल्वर और चार ब्रॉन्ज) जीते थे। भारत की ओर से जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया, जो एथलेटिक्स में भारत की ओर से पहला ओलंपिक मेडल भी है। भारत के लिए वेटलिफ्टर मीराबाई चानू और रेसलर रवि दहिया ने सिल्वर मेडल जीते जबकि मेंस हॉकी टीम, रेसलर बजरंग पूनिया, बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और महिला बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए।मनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली भारतीय मेंस हॉकी टीम ने पूल ए में न्यूजीलैंड, स्पेन, अर्जेंटीना और जापान को हराकर क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया। क्वार्टर फाइनल में टीम ने ग्रेट ब्रिटेन को हराया और सेमीफाइनल में जगह पक्की की। सेमीफाइनल में भारत को बेल्जियम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा और फिर ब्रॉन्ज मेडल के लिए खेले गए मैच में टीम ने जर्मनी को हराया। भारतीय मेंस हॉकी टीम ने टूर्नामेंट में दो ही मैच गंवाए और दोनों मैच ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम के खिलाफ थे, जिन्होंने फाइनल में जगह बनाई थी। बेल्जियम ने फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया था, जबकि ऑस्ट्रेलिया को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा था। भारतीय टीम पूल-ए में दूसरे नंबर पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी। भारतीय विमेंस हॉकी टीम की बात करें तो पूल-ए में चौथे नंबर पर रहकर टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी। रानी रामपाल की कप्तानी वाली भारतीय विमेंस टीम को नीदरलैंड, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद टीम ने टूर्नामेंट में वापसी करते हुए आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका को हराया और क्वार्टर फाइनल का टिकट कटाया। क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय विमेंट टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया।

फॉर्म में वापसी के बाद ट्विटर पर जसप्रीत बुमराह ने किसके लिए लिखा- 'अब भी तुम्हारी जरूरत नहीं'

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के तेज गेंजबाद जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट मैच में जबर्दस्त कमबैक किया है। पिछले कुछ समय से बुमराह खराब फॉर्म से जूझ रहे थे और लगातार आलोचकों के निशाने पर थे। इंग्लैंड के खिलाफ नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज मैदान पर खेले गए मैच में बुमराह ने कुल 9 विकेट लिए और बल्ले से भी अहम योगदान दिया। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पहली पारी में चार और फिर दूसरी पारी में पांच विकेट लिए। इसके अलावा भारत की पहली पारी में बुमराह ने 28 रनों की अहम पारी खेली, जिसके दम पर टीम इंडिया ने इंग्लैंड के खिलाफ अच्छी बढ़त हासिल कर ली। इस कमबैक के बाद बुमराह का एक ट्वीट खूब वायरल हो रहा है। उन्होंने शायद अपने आलोचकों का मुंह बंद करने के लिए यह ट्वीट किया है।

बुमराह ने ट्विटर पर नॉटिंघम टेस्ट की दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह विकेट का जशन मनाते हुए नजर आ रहे हैं। इन दोनों फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'अभी भी तुम्हारी जरूरत नहीं है।' ऐसा लग रहा है कि बुमराह ने अपने आलोचकों को इस अंदाज में जवाब दिया है।

नॉटिंघम टेस्ट का आखिरी दिन बारिश में धुल गया, जिसके चलते मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ, मैच के चौथे दिन तक टीम इंडिया ने मैच पर अपनी पकड़ काफी मजबूत कर ली थी। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया, लेकिन मेजबान टीम महज 183 रनों पर सिमट गई। बुमराह ने पहली पारी में रोरी बर्न्स, जोस बटलर, स्टुअर्ट ब्रॉड और जेम्स एंडरसन को पवेलियन का रास्ता दिखाया। जवाब में भारत ने 278 रन बनाकर 95 रनों की अहम बढ़त हासिल कर ली। बुमराह ने 34 गेंद पर 28 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था। इंग्लैंड ने दूसरी पारी में बेहतर बल्लेबाजी करते हुए 303 रन बनाकर भारत के सामने जीत के लिए 209 रनों का लक्ष्य रखा। दूसरी पारी में बुमराह ने डॉम सिब्ले, जैक क्रॉले, जो रूट, सैम करन और स्टुअर्ट ब्रॉड का विकेट अपने नाम किया। भारत ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 52 रन बना लिए थे और जीत के लिए 157 रनों की जरूरत थी। वहीं इंग्लैंड को जीत के लिए मैच के आखिरी दिन भारत के नौ विकेट झटकने होते। टीम इंडिया पूरी तरह से ड्राइविंग पोजिशन में थी, लेकिन बारिश ने आखिरी दिन एक भी गेंद नहीं होने दी और मैच ड्रॉ घोषित कर दिया गया।

बॉयकॉट ने लगाई इग्लैण्ड बल्लेबाजों की क्लास, बताया कैसे कर सकते हैं वापसी

लंदन (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है, जिसका पहला मैच नॉटिंघम में ड्रॉ पर खत्म हुआ। भारत को मैच के आखिरी दिन जीत के लिए 157 रनों की जरूरत थी, जबकि इंग्लैंड को नौ विकेट की दरकार थी। बारिश में आखिरी दिन का खेल धुल गया और भारत सीरीज में 1-0 की बढ़त लेने से चूक गया। पहले टेस्ट में इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने पहली पारी में हाफसेंचुरी और दूसरी पारी में सेंचुरी ठोकी, उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज ज्यादा देर टिककर नहीं खेल सका, जिसको लेकर पूर्व कप्तान ज्योफ्री बॉयकॉट काफी नाराज नजर आए। बॉयकॉन ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों की जमकर क्लास लगाई और साथ ही बताया कि बाकी बचे मैचों में वह किस तरह वापसी कर सकते हैं।

बॉयकॉट का मानना है कि कुछ बल्लेबाज गेंद पर शॉट खेलने के लालच को नहीं रोक पाए जबकि वह गेंद शॉट खेलने वाली नहीं थी। उन्होंने साथ ही कहा कि वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट पर काफी अधिक ध्यान देने से उनकी परेशानी बढ़ रही है।

आज पेश हो सकता है ओबीसी आरक्षण बिल, बीजेपी ने सांसदों को जारी किया व्हिप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने राज्यसभा में अपनी पार्टी के सांसदों के लिए सोमवार को तीन लाइन का एक व्हिप जारी किया है। व्हिप में पार्टी के सांसदों से 10 और 11 अगस्त को सदन में मौजूद रहने को कहा गया है। वहीं, बीजेपी ने अपने लोकसभा सांसदों से मंगलवार को सदन में उपस्थित रहने की अपील की है। दरअसल, बीजेपी की ओर से यह व्हिप ओबीसी आरक्षण बिल को लेकर जारी किया गया है। सरकार ने सोमवार को इस बिल को लोकसभा में पेश कर दिया। लोकसभा से हरी झंडी मिलते ही इसे राज्यसभा में पेश किया जा सकता है। इस बिल को विपक्ष का भी समर्थन मिल चुका है।

निचले सदन में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार ने अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित 'संविधान (127वां संशोधन) विधेयक, 2021 पेश किया। इस दौरान लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि आज सभी विपक्षी दलों ने बैठक की और निणर्य लिया कि उक्त विधेयक पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण से संबंधित इस विधेयक को पारित कराना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हम विपक्ष की जिम्मेदारी समझते हैं। सभी विपक्षी दलों ने फैसला किया कि इस पर चर्चा कराके पारित कराया जाना चाहिए। इस विधेयक के साथ देश के पिछड़े वर्ग का संबंध है।

कांग्रेस समेत 15 प्रमुख विपक्षी दलों ने संसद के मानसून सत्र के आखिर पड़ाव पर पहुंचने के साथ ही सोमवार को बैठक कर आगे की रणनीति पर चर्चा की और यह फैसला किया कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से संबंधित संशोधन विधेयक पर चर्चा में वे भाग लेंगे और इसे पारित कराने में पूरा समर्थन देंगे। राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, इस संशोधन विधेयक का हम सभी समर्थन करेंगे। हमारी मांग है कि इस विधेयक को पेश किया जाए और उसी वक्त चर्चा कर उसे पारित किया जाए। उन्होंने कहा, ''दूसरे मुद्दे अपनी जगह है, लेकिन यह मुद्दा देशहित में है क्योंकि यह आधी से ज्यादा आबादी से जुड़ा है। हम इसका पूरा समर्थन करेंगे।

भारत को झटका, यूके की अदालत ने नीरव मोदी को दी प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील की इजाजत

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटिश हाई कोर्ट ने सोमवार को नीरव मोदी को भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील करने मंजूरी दे दी। यह फैसला नीरव मोदी के मानसिक स्वास्थ्य के आधार पर दिया गया है। इसके साथ ही भगोड़े नीरव मोदी के भारत प्रत्यर्पण की कोशिशों को झटका लगा है। पिछले महीने नीरव के वकील ने उसके प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील दायर की थी। इसमें वकील ने तर्क दिया था कि अगर नीरव मोदी का भारत प्रत्यर्पण किया जाता है तो उसके मानसिक स्वास्थ्य पर इसका गंभीर असर पड़ सकता है। साथ ही उनमें सुसाइडल टेंडेंसी डेवलप हो सकती है। हालांकि मामले में भारत का पक्ष रख रही इंग्लैंड की क्राउन प्रॉसीक्यूशन सर्विस ने नीरव मोदी की आशंकाओं को निराधार बताते हुए जज से अपील निरस्त करने की मांग की थी। मामले में मोदी के वकील एडवर्ड फिट्जगेराल्ड ने हाई कोर्ट में अपील की थी। इसमें उन्होंने हवाला दिया था कि नीरव

मोदी अवसाद के शिकार है। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के आधार पर हाई कोर्ट से उसके भारत प्रत्यर्पण को रोकने की मांग की थी। हाई कोर्ट को दिए गए प्रार्थना पत्र में मोदी के वकील ने लिखा है कि अगर उसे कोरोना प्रभावित मुंबई की आर्थर रोड जेल में भेजा जाता है तो उसके मन में आत्महत्या के विचार और प्रबल होंगे। फिट्जगेराल्ड ने कहा कि 50 वर्षीय नीरव को इस तरह से भेजा जाना दमनकारी होगा।

गौरतलब है कि कभी हॉलीवुड और बॉलीवुड सितारों को ज्वैलरी सप्लाई करने वाले हीरा कारोबारी नीरव मोदी पर भारत में धोखाधड़ी का केस चल रहा है। उनके ऊपर पंजाब नेशनल बैंक के साथ करीब 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर की हेराफेरी का आरोप है। साथ ही भारत सरकार ने उस पर सबूतों से छेड़छाड़ और गवाहों को बरगलाने का मुकदमा कर रखा है। मार्च 2019 में लंदन में उसकी गिरफ्तारी के बाद उसे वांड्सवर्थ जेल में रखा गया है। फरवरी में सुनवाई के दौरान जज सैमुअल गूज़ी ने नीरव मोदी के भारत प्रत्यर्पण का आदेश दिया था।

कंपनियों के निजीकरण के बाद भी क्या आरक्षण बना रहेगा? संसद में सरकार ने दिया यह जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र में सोमवार को सदन की कार्यवाही चार बार के स्थगन के बाद दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। सत्र के दौरान सरकार ने राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माने जा रहे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से संबंधित संविधान (127वां संशोधन) विधेयक, 2021 को पेश कर दिया। लोकसभा की कार्यवाही के समय एक सवाल भी किया कि क्या कंपनियों के निजीकरण के बाद भी आरक्षण बना रहेगा? इस सवाल के जवाब में केंद्र सरकार ने कहा कि रिजर्व कैटेगरी के लोग सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के रोजगार में अपना आरक्षण खो देंगे, जिसे सरकार अपनी प्राइवेटाइजेशन नीति के तहत निजीकरण करने पर विचार कर रही है। बता दें कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से संबंधित संविधान (127वां संशोधन) विधेयक, 2021 पेश किया जो राज्य सरकार और संघ राज्य क्षेत्र को सामाजिक तथा शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े वर्गों की स्वयं की राज्य सूची-संघ राज्य क्षेत्र सूची तैयार करने के लिए सशक्त बनाता है। संसद में संविधान के अनुच्छेद 342-ए और 366(26) सी के संशोधन पर अगर मुहर लग जाती है तो इसके बाद राज्यों के पास ओबीसी सूची में अपनी मर्जी से जातियों को अधिसूचित करने का अधिकार होगा। महाराष्ट्र में मराठा समुदाय, हरियाणा में जाट समुदाय, गुजरात में पटेल समुदाय और कर्नाटक में लिंगायत समुदाय को ओबीसी वर्ग में शामिल होने का मौका मिल सकता है। लंबे समय से ये जातियां आरक्षण की मांग कर रही हैं।

गांधीजी से जुड़ी हर चीज खत्म करने की तैयारी, साबरमती आश्रम तोड़ने पर बोले अशोक गहलोत, पीएम से दखल की अपील

जयपुर, अहमदाबाद (एजेंसी)। महात्मा गांधी से जुड़ी स्मृतियों वाले साबरमती आश्रम के पुनर्विकास के गुजरात सरकार के प्लान का कांग्रेस ने विरोध किया है। कांग्रेस शासित राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि साबरमती आश्रम को गिराने का फैसला चौंकाने वाला है। यह राजनीतिक फैसला लगता है। पीएम नरेंद्र मोदी को इस मामले में दखल देना चाहिए और इस पर एक बार फिर विचार करना चाहिए। गहलोत ने गुजरात सरकार के इस फैसले को राष्ट्रपति महात्मा गांधी का अपमान करार दिया है। अशोक गहलोत ने कहा, 'साबरमती आश्रम को गिराकर म्यूजियम बनाने का गुजरात सरकार का फैसला चौंकाने वाला और गलत है। गहलोत ने कहा, 'यहां लोग यह देखने आते हैं कि कैसे महात्मा गांधी ने अपनी

पूरी जिंदगी सादगी के साथ बिताई थी। उन्होंने कैसे समाज के हर वर्ग को आजादी के आंदोलन से जोड़ने का काम किया था। उन्होंने उस आश्रम में अपनी जिंदगी के बहुमूल्य 13 साल गुजारे थे। साबरमती आश्रम को उसके सद्भाव और समावेशी विचारों के लिए जाना जाता है। भारत और दुनिया से आने वाले लोग यहां किसी वैश्विक स्तर की इमारत नहीं देखना चाहते। यहां आने वाले लोग सादगी और आदर्शों के ही मुरीद हैं। इसलिए इसे आज भी आश्रम ही कहा जाता है। कोई यहां म्यूजियम नहीं देखना चाहते।अशोक गहलोत ने कहा कि साबरमती आश्रम कि पवित्रता को खत्म करना बापू का अपमान है। यही नहीं उन्होंने बीजेपी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि यह फैसला राजनीति से प्रेरित है। बीजेपी सरकार शायद गांधीजी से जुड़ी हर चीज को खत्म करना चाहती है। ऐसा कोई भी फैसला गलत होगा और आने वाली पीढ़ियां भी इसकते लिए माफ नहीं करेंगी। पीएम नरेंद्र मोदी को तत्काल इस मामले में दखल देना चाहिए और ऐतिहासिक आश्रम को तोड़े जाने से रोकना चाहिए। कई दिन पहले भी देश की 100 से ज्यादा हस्तियों ने इस फैसले का विरोध किया था। उनका कहना था कि साबरमती आश्रम को तोड़ा जाना महात्मा गांधी की दूसरी हत्या करने जैसा होगा। दरअसल गुजरात सरकार का प्लान है कि आश्रम को वर्ल्ड क्लास म्यूजियम में तब्दील कर दिया जाए। हालांकि इसके चलते वहां रह रहे कई परिवारों को हटना पड़ेगा। इसके अलावा बापू के दौर की विरासत भी खत्म हो जाएगी।

पेगासस जासूसी विवाद के बीच संसद में सरकार का जवाब- रक्षा मंत्रालय ने एनएसओ ग्रुप के साथ कोई लेन-देन नहीं किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेगासस जासूसी विवाद के बीच सरकार ने सोमवार को कहा कि उसने एनएसओ समूह के साथ कोई लेन-देन नहीं किया है। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी।

उनसे सवाल किया गया था कि क्या सरकार ने एनएसओ ग्रुप टैकनॉलोजीस के साथ कोई लेन-देन किया था। भट्ट ने इसके जवाब में कहा, रक्षा मंत्रालय ने एनएसओ ग्रुप टैकनॉलोजीस. के साथ कोई लेन-देन नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि इजराइल की निगरानी सॉफ्टवेयर कंपनी एनएसओ समूह पर भारत सहित कई देशों में लोगों के फोन पर नजर रखने के लिए पेगासस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करने के आरोप लग रहे हैं। पेगासस जासूसी मुद्दे को लेकर संसद के मानसून सत्र में विपक्ष लगातार हंगामा कर रहा है जिससे दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित होती रही है।आईटी और संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारतीयों की जासूसी के लिए पेगासस सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल संबंधी मीडिया रिपोर्टों को खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले लगाए गए आरोपों का मकसद भारतीय लोकतंत्र की छवि को खराब करना है। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पेगासस सॉफ्टवेयर के जरिए भारतीयों की जासूसी करने संबंधी खबरों को सोमवार को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि संसद के मॉनसून सत्र से ठीक पहले लगाए गए ये आरोप भारतीय लोकतंत्र की छवि को धूमिल करने का प्रयास है।

गांधी परिवार के नाम पर रखी एक और स्कीम का बदलेगा नाम! शुरू हुआ विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार का नाम मेजर ध्यानचंद के नाम पर रखने के बाद से यह कयास लगाया जा रहा है कि कुछ योजनाओं का नाम भी बदला जा सकता है, गांधी परिवार के नाम पर हैं। नाम बदले जाने को लेकर राजनीतिक विवाद भी शुरू हो गया है और विपक्ष इसे प्रतिशोध की राजनीति बता रहा है। कर्नाटक कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने बीजेपी नेता सीटी रवि के ट्वीट पर कहा इंदिरा कैंटीन के नाम में बदलाव की मांग कुछ और नहीं बल्कि प्रतिशोध की राजनीति है। भाजपा के नेतृत्व के नाम पर बहुत सारे कार्यक्रम (नाम) हैं। क्या हमने उन नामों को बदलने की मांग की थी?

सिद्धारमैया ने आगे कहा कि दीन दयाल उपाध्याय फ्लाईओवर, अटल बिहारी वाजपेयी कार्यक्रम, अहमदाबाद में मोदी के नाम पर स्टेडियम, दिल्ली में अरुण जेटली स्टेडियम है। क्या हमें उन नामों को बदलने की मांग करनी चाहिए? खेल रत्न में राजीव गांधी का नाम था। वे इसे क्यों बदलना चाहते थे? पीएम जवाब दें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों घोषणा की है कि राजीव गांधी खेल रत्न अवॉर्ड का नाम अब मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड होगा। पीएम मोदी ने कहा कि देशवासियों के आग्रह के बाद उन्होंने यह निणर्य लिया है। पीएम ने ट्विटर के जरिए यह ऐलान किया। यह अवॉर्ड देश का सबसे बड़ा खेल सम्मान है। पहली बार यह पुरस्कार 1991-92 में दिया गया था। पीएम ने ट्विटर पर लिखा, 'ओलंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रयासों से हम सभी अभिभूत हैं। विशेषकर हॉकी में हमारे बेटे-बेटियों ने जो इच्छाशक्ति दिखाई है, जीत के प्रति जो ललक दिखाई है, वो वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा है।' उन्होंने एक अन्य ट्वीट में लिखा, 'देश को गर्वित कर देने वाले पलों के बीच अनेक देशवासियों का ये आग्रह भी सामने आया है कि खेल रत्न पुरस्कार का नाम मेजर ध्यानचंद जी को समर्पित किया जाए।

जम्मू-कश्मीर के बाद अब पंजाब में सीमा पार से शरारत, ड्रोन से टिफिन में भरकर गिराए विस्फोटक

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बाद अब पंजाब में ड्रोन अटैक का साया मंडरा रहा है। पंजाब पुलिस ने टिफिन बॉक्सों में भरे विस्फोटक और हैंड ग्रेनेड पाकिस्तान की सीमा से लगे गांवों से बरामद होने का दावा किया है। राज्य पुलिस के चीफ दिनकर गुप्ता ने कहा कि पुलिस केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर इस मामले पर काम कर रही है। यही नहीं गुप्ता ने संदेह जताया कि आईईडी

विस्फोटक और हैंड ग्रेनेड्स को सीमा पार से ग्रेनेड्स के जरिए गिराया गया है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि आतंकियों की ओर से किसे निशाना बनाया जा सकता था। पंजाब पुलिस के डीजीपी गुप्ता ने कहा, 'हमारा मानना है कि ये आईईडी और ग्रेनेड्स सीमा पार से ड्रोन्स के जरिए गिराए गए हैं। ये रिमोट से चलने वाले और खतरनाक डिवाइसेज हैं। इन्हें बैट्री की मदद से चलाया जा सकता है।' रविवार को पंजाब के डालेके गांव में विस्फोटक पाया गया। हालांकि गुप्ता ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए किसी आतंकी संगठन का जिक्र नहीं किया। लेकिन यह जरूर कहा कि हमें इस बात की जानकारी है कि इस सबके पीछे किसका हाथ है। यही नहीं उन्होंने कहा कि आतंकियों की एक बड़ी साजिश को नाकाम भी किया गया है। पंजाब पुलिस के मुखिया ने कहा कि इस मामले के सामने आने के बाद से हम एनआईए और बीएसएफ के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि कोई आप बसों या अन्य किसी पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सफर करते हैं तो फिर अपने आसपास किसी संदिग्ध वस्तु की सूचना पुलिस को जरूर दें। ऐसी किसी भी चीज को नजरअंदाज न करें। खासतौर पर स्वतंत्रता दिवस से ठीक एक सप्ताह पहले इस तरह का विस्फोटक मिलना और चिंता को बढ़ाने वाला है। इस घटना के मद्देनजर राज्य में सतर्कता बढ़ा दी गई है। खासतौर पर सीमांत क्षेत्रों में एजेंसियों को सतर्क रहने को कहा गया है।

दिल्ली में 15 महीने बाद एक्टिव कोरोना मरीजों की संख्या 500 से कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में सोमवार को कोविड-19 के 39 नए मरीजों की पुष्टि हुई और एक संक्रमित की मौत हो गई। बीते 24 घंटे के दौरान संक्रमण दर 0.10 फीसदी दर्ज की गई। इसी दौरान 76 लोग ठीक होकर घर लौट गए। दिल्ली में कोरोना एक्टिव मरीजों का आंकड़ा 500 से नीचे आ गया है। इससे पहले दिल्ली में अप्रैल 2020 में कोरोना मरीजों की आंकड़ा 500 के नीचे था। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। संक्रमण के नए मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 14,36,800 हो गई। इनमें से 14.11 लाख मरीज संक्रमण मुक्त हो चुके है। शहर में संक्रमण से 25,067 मरीजों की मौत हुई है। रविवार को दिल्ली में संक्रमण के 66 नए मामले सामने आए थे और संक्रमण दर 0.10 फ़ीसदी दर्ज की गई लेकिन एक भी मरीज की मौत नहीं हुई। वहीं, बुलेटिन में बताया गया कि शहर में अब 498 मरीजों

का उपचार चल रहा है और इनमें से 178 घर में आईसोलेट हैं। दिल्ली में अब कंटेनमेंट जोन की संख्या 269 है।

दिल्ली में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर बेहद खतरनाक रही और संक्रमण से बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई। इस दौरान शहर में ऑक्सीजन की कमी से भी मरीज़ों की तकलीफ़ें बढ़ गई थीं। दिल्ली में 20 अप्रैल को संक्रमण के अब तक के सबसे ज्यादा 28,395 नए मामले सामने आए थे। 22 अप्रैल को संक्रमण दर 36.2 फ़ीसदी रही जो कि अब तक की सबसे ज़्यादा है। वहीं तीन मई को सबसे ज़्यादा 448 लोगों की मौत हुई।सरकारी आँकड़ों के अनुसार 1.06 करोड़ खुराक शहर में अब तक दी जा चुकी है। शहर में 29 लाख से ज्यादा लोगों को टीके की दोनों खुराक दी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) से कहा कि 'टीके की खुराक की मौजूदा आपूर्ति दर के मद्देनजर 18 साल से ज़्यादा उम्र के सभी योग्य लाभार्थिय्रों को टीका देने में एक और साल लग जाएगा।

पाकिस्तान ने फिर किया इंकार, कहा अफगान राजदूत की बेटी के अगवा किए जाने का कोई सुबूत नहीं मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने एक बार फिर इस बात से इंकार किया है कि अफगानिस्तान के राजदूत की बेटी इस्लामाबाद में अपहरण हुआ था। उसने कहा है कि इस घटना का कोई भी सुबूत नहीं मिला है। गौरतलब है कि 16 जुलाई को पाकिस्तान में अफगानिस्तान के राजदूत नजीबुल्ला अलिखिल की 26 वर्षीय बेटी सिलसिला अलिखिल का कुछ अज्ञात लोगों ने इस्लामाबाद में अपहरण कर लिया था। इसके बाद उनके साथ मारपीट भी की गई थी। घटना के चलते दोनों देशों के रिश्तों में तनाव आ गया था। घटना के दो दिन बाद अफगानिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद से सभी राजदूतों और उनके परिवार को वापस बुला लिया था। साथ ही सुरक्षा संबंधी चिंता जाहिर करते हुए पाकिस्तान स्थित दूतावास को

बंद कर दिया था।बता दें कि अफगान राजदूत की बेटी के अपहरण और अफगान अधिकारियों की इस्लामाबाद में सुरक्षा मामले की जांच करने अफगानिस्तान से एक विशेष दल गया था। पाकिस्तान ने इस दल से बताया है कि जांच में जुटाए गए तथ्य अफगान राजदूत की बेटी द्वारा बताई गई घटना से मेल नहीं खाते। अफगान डेलीगेशन ने पाकिस्तान की कानून प्रवर्तन एजेंसियों और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से मुलाकात की थी। इस डेलीगेशन को पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा की गई जांच के सभी पक्षों से रूबरू कराया गया।

अमेरिकी प्रतिबंधों से बिगड़ी ईरान की हालत, खरीद नहीं पा रहा कोरोना वैक्सीन, 5वीं लहर ने ढाया कहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस्लामिक देश ईरान में कोरोना का कहर बढ़ गया है। सोमवार को एक दिन में देश भर में 40,000 से ज्यादा नए केसों का आंकड़ा सामने आया है। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस बात की जानकारी दी है। मिनिस्ट्री के मुताबिक बीते एक दिन में 40,808 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं और 588 लोगों की मौत हो गई है। इसके साथ ही ईरान में अब तक कोरोना से संक्रमित होने वालों का आंकड़ा बढ़कर 41,99,537 हो गया है। वहीं अब तक इसके चलते 94,603 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके साथ ही ईरान के स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह बात भी स्वीकार की है कि कोरोना से मौतों का कुल आंकड़ा उसने कम ही आंका था। मध्य पूर्व के देशों

में ईरान कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित रहा है।

ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि देश में जून के बाद से ही कोरोना केसों में तेजी देखने को मिल रही है। यह कोरोना की 5वीं लहर के चलते हुआ है, जिसमें डेल्टा वैरिएंट के चलते तेजी देखने को मिली है। तेहरान की वायरस टास्क फोर्स के डिप्टी हेड नादिर तावाकोली ने कहा कि 80 लाख की आबादी वाले देश में कोरोना के चलते सबसे ज्यादा मौतें इन दिनों हो रही हैं। इसके अलावा संक्रमित होने वाले और अस्पताल में एडमिट होने वाले लोगों की भी बड़ी संख्या है। यही नहीं उन्होंने आने वाले दिनों में कोरोना के चलते मौतों की संख्या में इजाफा होने की भी आशंका जाहिर की है। नादिर तावाकोली ने कहा कि हम यह अंदाजा नहीं लगा सकते हैं कि कोरोना की 5वीं लहर कितना कहर बरपाएगी। उन्होंने कहा कि राजधानी तेहरान के अस्पतालों और इमरजेंसी वॉर्ड्स में अब लोगों को एडमिट करने के लिए जगह नहीं बची है। ईरान को उम्मीद है कि टीकाकरण में तेजी आने से कोरोना संकट में कमी आएगी, लेकिन फरवरी से शुरू हुए वैक्सीनेशन की रफ्तार धीमी है। इसके चलते चिंताएं और ज्यादा बढ़ गई हैं। अमेरिकी प्रतिबंधों के चलते ईरान की हालत काफी खराब है और वह कोरोना संकट से निपटने के लिए दवाओं का आयात भी नहीं कर पा रहा है। वैक्सीनेशन की रफ्तार कम होने की यह भी एक वजह है।

अमेरिकी हमलों से बौखलाया तालिबान, अफगानिस्तान मामलों में हस्तक्षेप के खिलाफ दी चेतावनी

काहिरा (एजेंसी)। तालिबान ने अमेरिका को अफगानिस्तान मामलों में किसी तरह के हस्तक्षेप करने के खिलाफ चेतावनी दी है। तालिबान के प्रवक्ता ने यह बात कही है। दरअसल, शनिवार को अमेरिका ने बी-52 स्ट्रैटोफोट्रेर्स विमान से अफगानिस्तान के जावज्जान प्रांत की राजधानी शेबरग़ान

में तालिबान ठिकानों पर हवाई हमले किए, जिसमें 200 से अधिक आतंकवादी मारे गए। दूसरी ओर अफगानिस्तान की ओर से की गई कार्रवाई में 500 से अधिक आतंकियों के मारे जाने की सूचना है। तालिबान के प्रवक्ता ने कहा, हम अफगानिस्तान में अमेरिकी हस्तक्षेप के खिलाफ चेतावनी दे रहे है। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी शुरू होने के बाद से इस देश में तालिबान के हमले बढ़ गये हैं। अफगानिस्तान से विदेशी सैनिकी की वापसी 11 सितंबर तक पूरा हो जाने की संभावना है। दूसरी ओर अफगानिस्तान में सरकारी सुरक्षा बलों ने पिछले 24 घंटों के दौरान तालिबान के 570 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया है। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने ट्वीट किया, पिछले 24 घंटों के दौरान नंगरहार, खोस्त, लोगर, पक्तिया, कंधार, हेरात, फराह, जोज्जान, समांगन, हेलमंद, तखर, कुंदुज और पंजशीर प्रांतों में सुरक्षा बलों के अभियान में 579 तालिबान आतंकवादी मारे गए और 161 अन्य घायल हो गए।